E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 03 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (साप्ताहिक) | जयपुर, शुक्रवार 17 जुलाई, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

लखनऊ में 17 जुलाई को माय भारत राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सम्मेलन, 1500 से अधिक युवा लेंगे हिस्सा

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के युवा कार्य विभाग द्वारा 17 जुलाई को 'माय भारत राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक सम्मेलन' और इसके बाद 18-19 जुलाई को दो दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इन दोनों कार्यक्रमों का उद्देश्य जमीनी स्तर पर युवाओं की भागीदारी को मजबूत करना, संस्थागत समन्वय बढ़ाना और युवा नेतृत्व वाले राष्ट्र निर्माण के लिए एक सशक्त व्यवस्था विकसित करना है। दोनों कार्यक्रमों के उद्घाटन सत्र में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया, केंद्रीय राज्य मंत्री (युवा कार्यक्रम एवं खेल) रक्षा खडसे, उत्तर प्रदेश सरकार में खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव तथा युवा कार्य विभाग की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल शामिल होंगी। इसके अलावा युवा कार्य विभाग के अतिरिक्त सचिव नितेश कुमार मिश्रा, माय भारत की सीईओ डॉ. प्रियंका शुक्ला, माय भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में भाग लेंगे और युवा स्वयंसेवकों तथा क्षेत्रीय अधिकारियों से संवाद करेंगे। माय भारत युवा स्वयंसेवक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से करीब 1500 से अधिक माय भारत युवा स्वयंसेवक भाग लेंगे। यह कार्यक्रम युवाओं के क्षमता निर्माण पर केंद्रित होगा। इसमें स्वयंसेवकों को माय भारत की सोच और उद्देश्यों, माय भारत पोर्टल की विशेषताओं, नेतृत्व विकास, सामुदायिक जागरूकता और जनसंपर्क रणनीतियों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही उन्हें 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत', 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' और अन्य राष्ट्रीय अभियानों में उनकी भूमिका से भी अवगत कराया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रशिक्षण सत्र और माय भारत की विभिन्न पहलों के अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं का सम्मान भी किया जाएगा। सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण 'नेशन फर्स्ट चैलेंज' के शीर्ष 5 विजेताओं का सम्मान होगा। यह राष्ट्रव्यापी पहल माय भारत द्वारा मई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद शुरू की गई थी। प्रधानमंत्री ने वैश्विक चुनौतियों को देखते हुए नागरिकों से जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया था। युवा स्वयंसेवकों के

सम्मेलन के बाद 18 और 19 जुलाई को युवा कार्य विभाग चिंतन शिविर आयोजित करेगा। यह शिविर चल रही योजनाओं की समीक्षा, बेहतर कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के अनुरूप भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बनेगा। चिंतन शिविर के पहले दिन का विषय 'संवाद से समाधान' रखा गया है। इसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के बीच अनुभव साझा करना, नीतिगत समन्वय बढ़ाना और एक-दूसरे से सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करना है। चिंतन शिविर के उद्घाटन सत्र में डॉ. मनसुख मंडाविया "युवा विकास के लिए दृष्टिकोण, शासन की प्राथमिकताएं और रणनीतिक आवश्यकताएं" विषय पर मुख्य संबोधन देंगे। इसमें वह विकसित भारत 2047 की दिशा में युवाओं को भागीदार बनाने की सरकार की सोच और प्राथमिकताओं को साझा करेंगे। इस अवसर पर रक्षा खडसे और डॉ. पल्लवी जैन गोविल भी अपने विचार रखेंगी और चर्चा के लिए प्रमुख विषयों एवं प्राथमिकताओं को सामने रखेंगी। चिंतन शिविर का दूसरा दिन 'समाधान से संकल्प' विषय को समर्पित होगा। इस दौरान प्रतिभागी समूह चर्चाओं, नीति प्रयोगशालाओं, केस स्टडी प्रस्तुतियों और समाधान आधारित विचार-विमर्श में भाग लेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी 17 जुलाई को चंडीगढ़, हरियाणा और पंजाब का करेंगे दौरा, 26800 करोड़ की परियोजनाओं का करेंगे शुभारंभ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को चंडीगढ़, हरियाणा और पंजाब का दौरा करेंगे। वह सुबह लगभग 11 बजे जींद रेलवे स्टेशन पर जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। प्रधानमंत्री लगभग 11:30 बजे जींद के एकलव्य स्टेडियम में लगभग 14,700 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वे इस अवसर पर सभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री चंडीगढ़ जाएंगे, जहां दोपहर करीब 1:45 बजे वे 6,600 करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उद्घाटन करेंगे। वे इस अवसर पर जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद, पीएम मोदी जालंधर जाएंगे, जहां वह 5,470 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। जींद में, प्रधानमंत्री जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन-चालित ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, जो रेलवे क्षेत्र में स्वच्छ और टिकाऊ परिवहन को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत में ही डिजाइन, इंजीनियरिंग और एकीकृत की गई यह ट्रेन स्वदेशी तकनीक का उपयोग करके विकसित की गई है, जो उन्नत रेलवे इंजीनियरिंग में देश की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है।

दिल्ली दंगा मामले में शरजील इमाम की जमानत याचिका हाई कोर्ट में, 17 जुलाई को होगी सुनवाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2020 में हुए दंगों के आरोपी शरजील इमाम ने दिल्ली हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। शरजील इमाम ने हाई कोर्ट में कड़कड़डूमा कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। हाई कोर्ट इस जमानत याचिका पर 17 जुलाई को सुनवाई करेगा। शरजील इमाम की तरफ से दाखिल की गई याचिका में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के छह महीने बाद भी मामले में कोई खास प्रोग्रेस नहीं हुई है। साथ ही शरजील इमाम पिछले छह साल से जेल में हैं। इससे पहले उनकी जमानत याचिका को 5 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। इससे पहले दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। दोनों आरोपियों ने कोर्ट में दूसरी बार जमानत अर्जी लगाई थी। इससे पहले उनकी जमानत याचिका को 5 जनवरी 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। आरोपियों की नई जमानत अर्जी में कहा गया था कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के छह महीने बाद भी मामले में कोई खास प्रोग्रेस नहीं हुई है। साथ ही उमर खालिद और शरजील इमाम पिछले छह साल से जेल में हैं।

कर्नाटक डिप्टी सीएम ने सूखे के बिगड़ते हालात पर पीएम मोदी को लिखा पत्र, मांगी तत्काल मदद

बेंगलुरु। कर्नाटक में कमजोर मानसून के कारण सूखे की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। इस बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) के नियमों में राहत देने और राज्य को अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। पत्र में परमेश्वर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान कर्नाटक में लगातार सामान्य से कम बारिश हुई है। इसका सीधा असर खेती, पेयजल व्यवस्था, भूजल स्तर और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। जून महीने में कर्नाटक में 42 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई, जबकि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में 36 प्रतिशत वर्षा की कमी रही। जुलाई में भी स्थिति नहीं सुधरी और राज्य में अब तक 34 प्रतिशत कम बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं बेंगलुरु में भी सामान्य से करीब 34 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार, कम बारिश और अधिक तापमान के कारण प्रभावित इलाकों में करीब 80 प्रतिशत बोई गई फसल बर्बाद हो चुकी है। उन्होंने इसके लिए मुख्य रूप से एल नीनो के प्रभाव को जिम्मेदार बताया। साथ ही कहा कि कई जिलों में भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है, जिससे सिंचाई और पेयजल संकट और गहरा गया है।

पत्र में बताया गया है कि विजयनगर (61 प्रतिशत), मैसूर (55 प्रतिशत), मडिकेरी (51 प्रतिशत), चिक्कमगलुरु (48 प्रतिशत), दावणगेरे (47 प्रतिशत), हावेरी (46 प्रतिशत, शिवमोग्गा (44 प्रतिशत), कलबुर्गी (43 प्रतिशत), मंगलुरु (43 प्रतिशत) और बीदर (40 प्रतिशत) जैसे जिलों में बारिश की भारी कमी दर्ज की गई है। वर्तमान में 2015-16 की कृषि जनगणना के आधार पर सहायता तय की जाती है, जो अब राज्य की वास्तविक कृषि स्थिति को नहीं दर्शाती।

पाकिस्तान निष्पक्ष मध्यस्थ नहीं, ईरान पर सिर्फ कूटनीति नहीं चलेगी

तेल अवीव। अमेरिका ने एक बार फिर ईरान पर हवाई हमला किया तो जवाबी कार्रवाई जारी है। इस बीच पाकिस्तान ने कहा है कि वो दोबारा मध्यस्थता को तैयार है। इस्लामाबाद खुद को शांतिदूत के तौर पर पेश कर रहा है, लेकिन क्या दुनिया और खासकर इजरायल को उसकी भूमिका पर विश्वास है? क्या कूटनीति के जरिए समाधान संभव है? चीन किस तरह का रोल अदा कर सकता है? ऐसे ही तमाम सवालों का जवाब इजरायल के थिंक टैंक मिसगाव इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल सिक्योरिटी के सीनियर फेलो डॉ राफेल बेनलेवी ने आईएएनएस को एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में दिया। बेनलेवी ने पाकिस्तान को ईरान-इजरायल विवाद में निष्पक्ष मध्यस्थ मानने से इनकार किया। बेनलेवी ने कहा, 'इजरायल नहीं मानता कि पाकिस्तान इस क्षेत्र में सफल मॉडरेटर या मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। इजरायली इलाका हो या फिर मिडिल ईस्ट क्षेत्र रहा हो, वह हमेशा इजरायल विरोधी ताकतों के साथ खड़ा रहा है। ऐसे आंदोलनों का हिस्सा रहा है जो हमारे खिलाफ रहे हैं।

सरकार अभी भी संसद में दो-तिहाई बहुमत के आंकड़े से काफी पीछे: जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुरुवार को सरकार पर संसद में संदिग्ध दो-तिहाई बहुमत हासिल करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने दृढ़ विश्वास जताया कि आवश्यक संख्या प्राप्त करना लगभग असंभव है। पार्टी ने कहा कि यदि सरकार दो-तिहाई बहुमत प्राप्त करने में सफल भी हो जाती है, तो यह शर्मनाक बहुमत होगा और भारत के संविधान का अपमान होगा। पार्टी ने संसदीय रणनीति समूह की बैठक आयोजित की, जिसकी अध्यक्षता कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने की और इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित वरिष्ठ सांसदों ने भाग लिया। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस को अभी तक सत्र में लाए जाने वाले विधेयकों के बारे में कोई औपचारिक जानकारी नहीं है। उन्होंने दोहराया कि कांग्रेस परिसीमन विधेयक का हमेशा से विरोध करती रही है और करती रहेगी।

'मौलाना जर्जिस अंसारी के विवादित बयान पर चुप क्यों?', हिंदू साधु-संतों ने अखिलेश यादव से पूछा सवाल

नई दिल्ली। भगवान श्रीकृष्ण को लेकर मौलाना जर्जिस अंसारी के विवादित बयान पर देशभर के साधु-संतों ने तीखी आपत्ति जताई है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए पूछा है कि राम मंदिर चंदा चोरी विवाद में तो वे सक्रिय होकर बोल रहे थे, लेकिन अपने जिले के मौलाना द्वारा श्रीकृष्ण पर दिए गए आपत्तिजनक बयान पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं? एक वायरल वीडियो में मौलाना जर्जिस अंसारी ने कथित तौर पर दावा किया कि भगवान कृष्ण मुसलमान थे और दिन में पांच बार नमाज पढ़ते थे। इस बयान से हिंदू संतों की भावनाएं आहत हुई हैं। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी ने कहा, 'अब वे दावा कर रहे हैं कि भगवान कृष्ण सच्चे मुसलमान थे, जो दिन में पांच बार नमाज पढ़ते थे। किसी की हिम्मत नहीं होती कि कुरान या पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कुछ बोले, क्योंकि तुरंत 'सिर तन से जुदा' के नारे लगने लगते हैं। यूपी में योगी सरकार है और अगर इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई तो सरकार कमजोर दिखेगी।' उन्होंने कहा, 'अखिलेश यादव, आपके वंश के अनुसार, भगवान कृष्ण आपके पूर्वज हैं। तुष्टिकरण की राजनीति छोड़ दीजिए। यादव और मुस्लिम वोटों से चुनाव नहीं जीते जाते। आपके जिले का मौलाना है, कम से कम एफआईआर तो दर्ज करवा दीजिए। राम मंदिर चंदा चोरी पर आपने खूब बोला, अब इस मौलाना पर भी दो शब्द बोल दीजिए।' आगरा के कैलाश मंदिर के महंत निर्मल गिरी ने कहा कि मौलाना जहां भी भाषण देते हैं, खासकर मुस्लिम समुदाय के बीच, हमेशा ऐसी बेतुकी बातें करते हैं। उन्होंने सनातन धर्म पर हमला करने के लिए प्रोपेगेंडा तैयार किया है। वे दावा करते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण पांच बार नमाज पढ़ते थे। अयोध्या के आर्य संत वरुण दास महाराज ने कहा कि इस मूर्ख व्यक्ति को यह भी नहीं पता कि इस्लाम की शुरुआत कब हुई थी। इस्लाम लगभग 1,400 साल पहले मक्का और मदीना में अस्तित्व में आया। उससे पहले, वहां 365 देवी-देवताओं की पूजा की जाती थी। बाद में मूर्ति पूजा को वर्जित घोषित कर दिया गया, और एक महिला के सहयोग से पैगंबर मुहम्मद ने इस्लाम की स्थापना की और खुद को आखिरी पैगंबर के रूप में पेश किया। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 1,400 साल बाद कयामत आएगी। उस मान्यता के अनुसार, फैसले के दिन, कब्रों में दफन सभी लोग उठेंगे और अल्लाह के सामने पेश होंगे। जिसका कर्म अच्छा होगा, वह जन्नत और जिनका कर्म बुरा होगा, वह दोजख में जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे मौलवी आपस में कटकर मर जाएंगे। 1400 साल पहले इस्लाम का जन्म हुआ और वे लोग बताएंगे कि श्री कृष्ण नमाजी थे। मौलवी पर कार्रवाई होनी चाहिए। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने भी मौलवी के बयान की घोर निंदा की। उन्होंने कहा कि यह बहुत निंदनीय और दुखद है।

सीएम भजनलाल शर्मा के प्रयास धरातल पर हो रहे साकार -प्रदेशभर में कुल 18 हजार 953 सेवा शिविर हुए आयोजित

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर सुशासन, समाधान और संवेदनशीलता आधारित कार्य संस्कृति की पहचान बनकर उभरे हैं। प्रदेशभर में 12 जून से 15 जुलाई तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित कुल 18 हजार 953 शिविरों ने सरकार के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के संकल्प को साकार किया है। मुख्यमंत्री के प्रयासों एवं प्रभावी मॉनिटरिंग से इन शिविरों का शहरों से लेकर गांवों में व्यापक असर दिखाई दिया तथा लाखों लोगों को राहत मिली है। 1.90 लाख से अधिक नामांतरण, 17 हजार से अधिक रास्ते खुले— ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित 12 हजार 564 सेवा शिविरों के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने के साथ-साथ वर्षों से लंबित प्रकरणों का भी मौके पर निस्तारण किया गया। इन शिविरों में 1 लाख 90 हजार 962 नामांतरण, 46 हजार 885 पत्थरगढ़ी/सीमाज्ञान, 26 हजार 711 आपसी सहमति से विभाजन तथा 17 हजार 696 रास्तों के प्रकरणों का निस्तारण किया गया। इसी तरह 2.19 लाख राजस्व अभिलेखों

का शुद्धिकरण, 3.37 लाख से अधिक जाति, मूल निवास एवं हैसियत प्रमाण-पत्र जारी किए गए। इन शिविरों में 2.12 लाख से अधिक किसानों का फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकरण तथा 1.02 लाख से अधिक पट्टों का वितरण किया गया। इन ग्रामीण सेवा शिविरों में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज हुई है। इनके अंतर्गत 24.84 लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं उपचार, 11.08 लाख नागरिकों की टीबी स्क्रीनिंग तथा 4.65 लाख महिलाओं की ओरल, ब्रेस्ट एवं सर्वाइकल कैंसर की स्क्रीनिंग की गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना अंतर्गत 3.11 लाख से अधिक एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 47 हजार से अधिक पॉलिसी वितरण किया गया। इस दौरान सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जनधन योजना एवं जनआधार से जुड़े हजारों मामलों का भी निस्तारण किया गया। इसी तरह राज्यभर के शहरी क्षेत्रों में 6 हजार 389 सेवा शिविर लगाए गए, जिसके माध्यम से विभिन्न सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया। इन शिविरों में 42 हजार 252 पट्टे जारी, 13 हजार 242 नाम हस्तांतरण तथा 7 हजार 186 भवन मानचित्र प्रकरणों का निस्तारण किया गया। शिविरों में पालनहार योजना में 12 हजार 540 सत्यापन किए गए हैं।

14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का सोशल मीडिया अकाउंट बंद करने पर दक्षिण कोरिया कर रहा विचार

सोल। दक्षिण कोरिया का मीडिया नियामक आयोग 14 वर्ष और उससे कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा है। किशोरों में सोशल मीडिया के बढ़ते और अत्यधिक उपयोग को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह कदम उठाया जा रहा है। कोरिया मीडिया एंड कम्युनिकेशंस कमीशन (केएमसीसी) के अध्यक्ष किम जोंग-चोल ने गुरुवार को चेओंग वा डे में आयोजित एक नीति संबंधी ब्रीफिंग के दौरान कहा कि किशोरों द्वारा सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग अब वैश्विक समस्या बन चुका है। योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, किम ने कहा, 'हम चरणबद्ध तरीके से ऐसी योजना पर विचार कर रहे हैं, जिसके तहत 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने से रोका जाएगा। साथ ही, 14 से 19 वर्ष के किशोरों के लिए ऐसे डिजाइन और एल्गोरिदम के संपर्क को सीमित किया जाएगा, जो उन्हें सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।' उन्होंने बताया कि इस संबंध में राष्ट्रीय संसद में करीब 15 संबंधित विधेयक विचाराधीन हैं। हालांकि, किम ने कहा कि इस मुद्दे पर सावधानीपूर्वक कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने वर्ष 2011 में लागू 'शटडाउन लॉ' का उदाहरण दिया, जिसके तहत 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक ऑनलाइन गेम खेलने पर रोक थी। बाद में इस कानून की आलोचना हुई कि यह नागरिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है और गेमिंग उद्योग को नुकसान पहुंचाता है। इसके बाद जनवरी 2022 में इस कानून को समाप्त कर दिया गया। दक्षिण कोरिया का यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है, जब दुनिया के कई देश बच्चों और किशोरों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने के लिए कानूनी कदम उठा रहे हैं।

संपादकीय

विदेश संपर्क–स्टेट आउटरीच कॉन्फ्रेंस - सुरक्षित तरीके से विदेश जाने और फर्जी एजेंटों से बचाव पर हुआ मंथन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय और राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'विदेश संपर्क–स्टेट आउटरीच कॉन्फ्रेंस' में भारतीयों के सुरक्षित तरीके से विदेश जाने और फर्जी एजेंटों से बचाव पर विचार- विमर्श किया गया। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में गुरुवार को आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों, राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों, राजस्थान पुलिस के अधिकारियों, भर्ती एजेंटों तथा अन्य संबंधित हितधारकों ने 'राजस्थानी विदेश सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं' विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। इस दौरान उद्घाटन एवं समापन सत्रों के साथ ही दो विशेष विषयगत सत्र आयोजित किए गए। समापन सत्र में दिनभर की चर्चाओं के प्रमुख निष्कर्ष एवं भावी कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा प्रवासी भारतीयों से संवाद बढ़ा है, जब प्रधानमंत्री विदेश जाते हैं तो वहां बसे भारतीयों की जोश भरी तस्वीरें सामने आती हैं। कोरोना के समय विदेश में बसे भारतीयों को अपने वतन लाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा वंदे भारत मिशन संचालित किया गया, जो प्रवासियों के प्रति भारत सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण उदाहरण है। साथ ही, नौकरी और पढ़ाई के लिए विदेश जाने की प्रक्रिया को आसान कर दिया गया है। पासपोर्ट बनाने की प्रक्रिया भी अब काफी सरल हो गई है, पुलिस सत्यापन में लगने वाला समय भी पहले की तुलना में काफी कम हो गया है। राजस्थान सरकार द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के साथ लगातार संवाद किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय की सचिव (सीपीवी एवं ओआईए) श्रीप्रिया रंगनाथन ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि विदेश जाने की प्रक्रिया को आसान बनाया जाए, ताकि नौकरी और पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले भारतीयों को वहां कोई समस्या न हो। वर्ष 2017 में शुरू की गई विदेश संपर्क कॉन्फ्रेंस का उद्देश राज्य सरकारों के साथ मिलकर लोगों को जागरूक करना है, ताकि लोग वैध रूप से विदेश जाएं और फर्जी एजेंटों से बच सकें। राजस्थान सरकार के साथ मिलकर गांवों तक सुरक्षित विदेश जाने के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। इसमें देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानी शामिल होंगे।

गुलाबी नगरी बोली जय जगन्नाथ, गुप्त वृन्दावन धाम ने निकाली भव्य रथ यात्रा

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। गुलाबी नगरी आज भगवान् जगन्नाथ के प्रेम में डूब गई मौका था गुप्त वृन्दावन की रथ यात्रा, जिसमें पूरे जयपुर से लाखों भक्त जुड़े और भगवान् जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का आशीर्वाद लिया। भक्तों ने अपने हाथों से रथ खींचकर 'जय जगनाथ' का महा उद्घोष किया। भगवान् रिमोट से चलित सुसज्जित रथ पर सवार होकर गुलाबी नगर की सडकों पर निकले, भक्तों ने उनकी आरती की और पूरे मार्ग पर हरे कृष्ण संकीर्तन किया। गुप्त वृन्दावन धाम द्वारा आयोजित जगन्नाथ रथ यात्रा का शुभारम्भ कलेक्ट्रेट सर्किल के पास जयपुर होटल से हुआ, फिर यात्रा धूम धाम से खासा कोठी फ्लाई ओवर, गणपति प्लाजा, गवर्मेंट हॉस्टल चौराहा, पांच बत्ती सर्किल, अजमेरी गेट, अलबर्ट हॉल से होती हुई श्री शिव सत्संग भवन रामनिवास बाग़ पर महा आरती के साथ संपन्न हुई। भक्तों ने विभिन्न मार्गो पर भगवान् जगन्नाथ का पुष्पों, फलों, फूलों, दीपों और नारियल से पूजन कर स्वागत किया। परंपरा के अनुसार गुप्त वृन्दावन द्वारा रथ यात्रा से एक दिन पहले जयपुर के विभिन्न मंदिरों में विशेष मंदिर मार्जन सेवा (मन्दिर की सफाई) की गई, मंदिर के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया की शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति अपने हाथों से भगवान् का रथ खींचता है उसका फिर पुनर्जन्म नहीं होता। रथ पर सवार भगवान् का आशीर्वाद लेने के बाद मनुष्य सभी पापो से छूट जाता है। रथ यात्रा के दौरान पूरा मार्ग भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के रंगों से सराबोर नजर आया। 'जय जगन्नाथ' और 'हरे कृष्ण' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन करते हुए भगवान के रथ के साथ चलते रहे। कई स्थानों पर सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का भव्य स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं ने रथ के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगल की कामना की।

व्हाट्सएप-टेलीग्राम पर फर्जी ट्रेडिंग व आईपीओ निवेश के नाम पर 50 करोड़ से अधिक की साइबर ठगी का पर्दाफाश

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राजस्थान पुलिस की स्टेट साइबर क्राइम थाना पुलिस टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए व्हाट्सएप एवं टेलीग्राम के माध्यम से फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं आईपीओ निवेश के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह के दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम श्री विजय कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान देवेन्द्र शर्मा एवं निखिल लुथरा निवासी नजफगढ़ दिल्ली के रूप में हुई है। जांच एजेंसियों का मानना है कि ठगी की वास्तविक राशि इससे कहीं अधिक हो सकती है।

देवेन्द्र शर्मा | निखिल लुथरा

हरियाणा के डबवाली में पीसीपीएनडीटी टीम का डिकॉय ऑपरेशन

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर-श्रीगंगानगर। राजस्थान पीसीपीएनडीटी टीम ने ऑपरेशन अकड़ तोड़ के तहत हरियाणा के डबवाली में बड़ी कार्रवाई करते हुए भ्रूण लिंग परीक्षण गिरोह से जुड़े एक शातिर दलाल राकेश कुमार को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि आदतन अपराधी राकेश कुमार पूर्व में भी पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत पकड़ा जा चुका है। एनएचएम के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने बताया कि पीसीपीएनडीटी टीम पिछले छह माह से आरोपी राकेश की गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए थी। यह गिरोह लंबे समय से राजस्थान और हरियाणा के सीमावर्ती क्षेत्रों में सक्रिय था। आरोपी दलाल हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर और बीकानेर से गर्भवती महिलाओं को हरियाणा के जाकर इस तरह के कार्य करता था। उन्होंने बताया कि सुनियोजित रणनीति के तहत गर्भवती महिला को डिकॉय ग्राहक बनाकर दलाल से संपर्क किया गया। मिशन निदेशक ने बताया कि पूरे घटनाक्रम पर पीसीपीएनडीटी टीम लगातार नजर बनाए हुई थी।

डी-रेगुलेशन सुधारों से निवेश, व्यापार सुगमता और सुशासन को मिली नई गति - मुख्य सचिव

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरुवार को शासन सचिवालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जर्मनी के पॉट्सडैम विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान, प्रशासन एवं संगठन विभाग की प्रोफेसर डॉ. सबाइन कुहलमैन को राजस्थान में डी-रेगुलेशन एवं कम्प्लायंस रिडक्शन के संबंध में किये गए प्रयास, नवाचार और सफलता की जानकारी दी, राज्य के डी रेग्यूलेशन, संरचना एवं अन्य जानकारियों के बारे में चर्चा की। चर्चा में 'इम्पैक्ट असेसमेंट स्टडी : कम्प्लायंस रिडक्शन एंड डी-रेगुलेशन (प्रथम चरण)' की मासिक प्रगति प्रतिवेदन पर विस्तृत चर्चा की गई। राज्य सरकार के 'राजनिवेश पोर्टल' की कार्यप्रणाली एवं उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। मुख्य सचिव ने बताया कि यह पोर्टल राज्य में उद्योगों एवं निवेशकों को विभिन्न विभागों की अनुमतियां, स्वीकृतियां एवं सेवाएं एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध कराकर निवेश प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बना रहा है। मुख्य सचिव ने कहा कि डी-रेगुलेशन प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य राज्य में व्यापार सुगमता (Ease of Doing Business) को बढ़ावा देना तथा उद्योगों एवं नागरिकों पर अनावश्यक प्रशासनिक अनुपालन का बोझ कम करना है। इसके तहत विभिन्न विभागों के कानूनों, लाइसेंसों, अनुमतियों तथा अनापत्ति प्रमाण-पत्रों की समीक्षा कर प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी, समयबद्ध एवं निवेश-अनुकूल बनाया जा रहा है। उन्होंने उद्योग, राजस्व, नगरीय विकास एवं आवासन (यूडीएच), श्रम सहित विभिन्न विभागों को नियामकीय सुधारों के बारे में भी चर्चा की।

पीएम आवास योजना की किस्त जारी करने के नाम पर 3,500 रुपये रिश्वत लेते ग्राम विकास अधिकारी गिरफ्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर ग्रामीण इकाई ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने ग्राम पंचायत ठाडिया, पंचायत समिति चामू (जिला जोधपुर) में कार्यरत ग्राम विकास अधिकारी (VDO) रामनरेश मीना को परिवादी से 3,500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी की जोधपुर ग्रामीण इकाई को एक परिवादी द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के अनुसार, परिवादी की पत्नी के नाम से प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) के तहत एक मकान स्वीकृत हुआ था। शिकायत मिलने के बाद जब एसीबी टीम ने गोपनीय रूप से मांग का सत्यापन करवाया, तो आरोपी रामनरेश मीना द्वारा 3,500 रुपये रिश्वत मांगने की पुष्टि हो गई।

जयपुर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई: 20 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला, 9 कैंटर सामान जब्त कर हटाए अस्थायी अतिक्रमण

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नगर निगम जयपुर की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध एवं अस्थायी अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान चलाते हुए बड़ी कार्रवाई की। निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देश एवं पूर्व में प्राप्त शिकायतों के आधार पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए 20 हजार रुपये कैरिंग चार्ज वसूला गया तथा 9 कैंटर सामान जब्त कर निगम के गोदाम में भिजवाया गया। अभियान के दौरान पत्रकार कॉलोनी, एसबीबीजे ऑफिसर्स कॉलोनी मानसरोवर, आम्रपाली सर्किल (33/11 जीएसएस के पास), वैशाली नगर स्थित नर्सरी पार्क, द्रोणगिरी धावास, गोपालपुरा पुलिया के नीचे, पावर हाउस सांगानेर, टूटी पुलिया, पंचायत समिति क्षेत्र, सुनारों का मोहल्ला तथा सब्जी मंडी सांगानेर सहित विभिन्न स्थानों से अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि कार्रवाई के दौरान जब्त किए गए सामान को निगम के गोदाम में जमा कराया गया। साथ ही मौके पर अतिक्रमण करने वालों से 20 हजार रुपये कैरिंग चार्ज भी वसूला गया। सतर्कता टीम ने अतिक्रमणकर्ताओं को भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की चेतावनी देते हुए समझाइश दी। निगम ने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में दोबारा अवैध या अस्थायी अतिक्रमण किया गया तो संबंधित लोगों के खिलाफ भारी जुर्माना एवं सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम प्रशासन ने कहा कि शहर की सड़कों, फुटपाथों, सार्वजनिक पार्को और अन्य सार्वजनिक स्थलों को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखना उसकी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण और अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि आमजन को निर्बाध आवागमन और बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि अभियान के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने संबंधित क्षेत्रों का निरीक्षण कर अस्थायी ढांचों, अवैध रूप से रखे गए सामान तथा सार्वजनिक भूमि पर किए गए कब्जों को हटाया।

राज्यपाल से केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव की मुलाकात

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से गुरुवार को लोकभवन में केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने मुलाकात की। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों पर सौहार्दपूर्ण चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान आयुष पद्धति के विस्तार, जनस्वास्थ्य से जुड़े विषयों तथा समाजहित के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किए जाने की जानकारी दी गई। राज्यपाल ने देश में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व पर बल देते हुए कहा कि आयुष प्रणाली स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ निवारक स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस अवसर पर राजभवन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बाइक टैक्सी के लिए देशभर में एक समान नियमों की जरूरत, CUTS इंटरनेशनल की रिपोर्ट जारी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। कट्स इंटरनेशनल की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, अलग-अलग राज्यों में नियम लागू करने की विसंगतियों को दूर करने, गिग वर्कर्स की आजीविका सुरक्षित करने, फर्स्ट और लास्ट-माइल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारत को बाइक टैक्सियों के लिए एक समान, तथ्य-आधारित और आनुपातिक नियामक ढांचे की आवश्यकता है। "भारत में बाइक टैक्सी नियमों का सामंजस्य: एक तथ्य-आधारित मूल्यांकन और सुधार के सुझाए गए मार्ग" नामक इस रिपोर्ट को आज नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, गोपाल कृष्ण अग्रवाल द्वारा लॉन्च किया गया। लॉन्च के अवसर पर बोलते हुए, अग्रवाल ने कहा, 'जैसे-जैसे भारत जीवन जीने की सुगमता के एजेंडे को मजबूत कर रहा है, एक एकीकृत मोबिलिटी इकोसिस्टम कनेक्टिविटी, रोजगार, उत्पादकता और टिकाऊ विकास का एक महत्वपूर्ण चालक बन सकता है।' यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब भारत में बाइक टैक्सी नियमों में तेजी से बदलाव हो रहा है, जिसमें राज्य अलग-अलग दृष्टिकोण अपना रहे हैं - जैसे कि सक्षम ढांचे और सशर्त अनुमति से लेकर प्रतिबंध, केवल ईवी के लिए अनिवार्य नियम और कानूनी अनिश्चितता तक।

कट्स का कहना है कि इस बंटे हुए परिदृश्य ने यात्रियों, गिग वर्कर्स, प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर्स और रेगुलेटर्स के लिए अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिससे एक सुसंगत और स्पष्ट नीतिगत ढांचे की आवश्यकता और भी मजबूत हो जाती है।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत जैसलमेर रेलवे स्टेशन के लोकार्पण कार्यक्रम में होंगे शामिल

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शुक्रवार को जोधपुर आएंगे। इसके बाद जोधपुर सड़क मार्ग से जैसलमेर पहुंचकर वहां पर रेलवे स्टेशन के उद्घाटन समारोह में प्रतिभाग करेंगे। गजेन्द्र सिंह शेखावत शुक्रवार, 17 जुलाई को दिल्ली से प्रातः 7.30 बजे जोधपुर रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। इसके बाद जोधपुर से प्रस्थान कर दोपहर एक बजे सर्किट हाउस, जैसलमेर पहुंचेंगे।श्री शेखावत दोपहर 2 बजे से अपराह्न 4.30 बजे तक जैसलमेर रेलवे स्टेशन के उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी वर्चुअल रूप से करेंगे। इस समारोह के बाद केंद्रीय मंत्री अपराह्न 4.30 बजे सर्किट हाउस, जैसलमेर पहुंचेंगे। वे सायं 6 बजे सत्याग गांव, जैसलमेर में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद सड़क मार्ग से बीकानेर के लिए प्रस्थान करेंगे। बीकानेर से देर रात रेल मार्ग से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत करीब 140 करोड़ रुपये की लागत से जैसलमेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इसका लोकार्पण करेंगे।

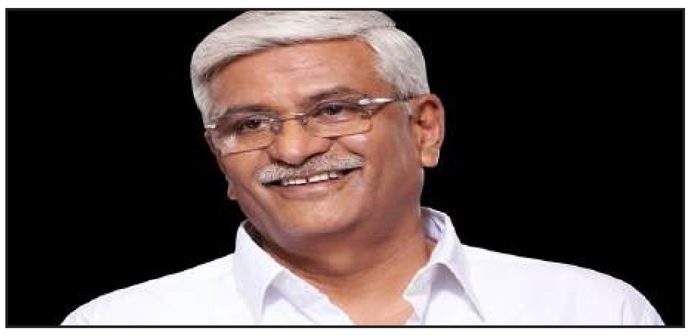

राजस्थान में डिजिटल शिक्षा को मिलेगी नई दिशा : शिक्षा विभाग और पिरामल फाउंडेशन के बीच हुआ महत्वपूर्ण एमओयू

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राज्य में विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को शासन सचिवालय में शिक्षा विभाग और पीरामल फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह समझौता स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव की अध्यक्षता एवं समग्र शिक्षा की राज्य परियोजना निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा की उपस्थिति में आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत पिरामल फाउंडेशन टेक्निकल सपोर्ट यूनिट के रूप में काम कर राज्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं पर्सनलाइज्ड एडेप्टिव लर्निंग आधारित डिजिटल शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा।

साथ ही यह पहल बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, छात्रवृत्ति संबंधी योजनाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सुगम बनाने में मदद करेगी।

इस एमओयू का उद्देश्य है प्रदेश की स्कूली शिक्षा प्रणाली को नवीन तकनीकीयुक्त और भविष्योन्मुख जैसे महत्वपूर्ण सुधार करना है।

इसके जरिए कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों के लर्निंग आउटकम में उल्लेखनीय सुधार लाना और पीएएल डैशबोर्ड के माध्यम से डेटा और डेटाबेस गवर्नेंस को भी पहले से कहीं अधिक मजबूत और व्यवस्थित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त एडटेक (एजुकेशन टेक्नोलॉजी) आधारित विशेष कार्यक्रमों द्वारा शिक्षकों और तकनीकी सहयोगियों का निरंतर क्षमता संवर्धन भी किया जाएगा, जिससे राज्य के प्रत्येक विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और व्यक्तिगत डिजिटल शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित हो सके। यह साझेदारी राजस्थान में तकनीक-संचालित, नवाचार पर आधारित और भविष्य-उन्मुख शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा जो आने वाले समय में राज्य के शैक्षिक परिदृश्य को एक नया विस्तार देगा।

राजस्थान/ प्रादेशिक

15 अगस्त तक "विशेष अभियान", घर-घर सर्वे, सटीक वृद्धि निगरानी एवं पोषण सेवाओं पर फोकस

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण अभियान 2.0 एवं सक्षम आंगनबाड़ी के तहत वंचित लाभार्थियों को सभी सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए 1 जुलाई से 15 अगस्त 2026 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि इस संबंध में शासन सचिव, महिला एवं बाल विकास पूनम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी क्षेत्र के सभी परिवारों का सर्वे, सभी पात्र लाभार्थियों का पोषण ट्रैकर पर पंजीकरण और 0-6 वर्ष के बच्चों की सटीक वृद्धि निगरानी सुनिश्चित करना है।

अभियान की मुख्य कार्ययोजना

घर-घर सर्वे— आंगनबाड़ी कार्यकर्ता नजरी नक्शा बनाकर प्रत्येक घर का सर्वे करेंगी। कोई भी परिवार, पुरुष, महिला, किशोरी या बच्चा सर्वे से वंचित न रहे।

सटीक वृद्धि निगरानी

0-6 वर्ष के सभी बच्चों का वजन, लम्बाई/ऊंचाई का सही मापन कर पोषण ट्रैकर पर दर्ज किया जाएगा। महिला पर्यवेक्षक प्रत्येक केंद्र पर कम से कम 10 बच्चों का रेण्डम सत्यापन करेंगी।

पंजीकरण एवं डेटा अपडेट

गर्भवती, धात्री, 0-6 वर्ष के बच्चे, स्कूल न जाने वाली किशोरियों का पंजीकरण। साथ ही कार्यकर्ता/सहायिका की प्रोफाइल, केंद्र की आधारभूत सुविधाएं, PMMVY एवं बीमा योजना के फॉर्म अपडेट किए जाएंगे।

योजनाओं का प्रचार-प्रसार

PMMVY, मुख्यमंत्री अमृत आहार, मुख्यमंत्री मातृ पोषण, वन स्टॉप सेंटर, महिला सुरक्षा सलाह केंद्र एवं अतिकुपोषित बच्चों हेतु दुधयुक्त बालाहार की जानकारी सामुदायिक बैठकों में दी जाएगी।

मॉनिटरिंग एवं निरीक्षण

महिला पर्यवेक्षक, बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं उपनिदेशक दैनिक टूर प्लान के अनुसार निरीक्षण करेंगे। रिपोर्टिंग हेतु "आंगनबाड़ी केंद्र भ्रमण निगरानी" गूगल फॉर्म पर प्रतिदिन एंट्री अनिवार्य होगी। अभियान से पूर्व जून माह में यूनिसेफ के सहयोग से सभी स्तरों पर कार्मिकों का प्रशिक्षण कराया गया। विभाग ने कहा कि यह अभियान पोषण सेवाओं की गुणवत्ता, पहुंच और कवरेज बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

नीट (NEET) छात्रा कामाक्षी के निधन पर शोक जताने पहुंचे पीसीसी सचिव संजय यादव

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बहरोड़। बहरोड़ शहर की इंदिरा कॉलोनी निवासी नीट (NEET) की होनहार छात्रा कामाक्षी (पुत्री जगदीश प्रसाद) के असामयिक और दुखद निधन पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) के सचिव व पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी संजय यादव ने उनके निवास स्थान पहुंचकर गहरा शोक व्यक्त किया।

इस दौरान उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और दिवंगत छात्रा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। संजय यादव ने इस घटना पर गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि एक होनहार बेटी का इस तरह असमय चले जाना अत्यंत कष्टदायक और हृदयविदारक है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिवार को इस असहनीय वज्रपात को सहन करने की शक्ति व संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। शोक संवेदना व्यक्त करने के साथ ही संजय यादव ने देश और प्रदेश में आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं की वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

नागरिक सुरक्षा विभाग के निदेशक ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल 181 का निरीक्षण

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार नागरिक सुरक्षा विभाग के निदेशक जगजीत सिंह मोंगा ने बुधवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क पोर्टल 181 का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर शिकायत निस्तारण की प्रगति एवं कार्यप्रणाली की विस्तार से समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मोंगा ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 पर स्वयं नागरिकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

श्री मोंगा ने इन व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

NDPS मामले में डीजीपी जांच के निर्देश, जांच प्रक्रिया पर हाईकोर्ट ने उठाए गंभीर सवाल

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एनडीपीएस एक्ट के एक महत्वपूर्ण मामले में दोषसिद्ध अभियुक्त की सजा स्थगित करते हुए राजस्थान के पुलिस महानिदेशक (DGP) को स्वतंत्र जांच के निर्देश दिए हैं। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया जांच प्रक्रिया में कई गंभीर कानूनी एवं प्रक्रियागत प्रश्न पाए।

मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता शांतनु बंसल ने विस्तृत बहस करते हुए एनडीपीएस एक्ट की अनिवार्य कानूनी प्रक्रियाओं के उल्लंघन, जांच में गंभीर विसंगतियों तथा अभियोजन के साक्ष्यों में विरोधाभास की ओर न्यायालय का ध्यान आकर्षित किया। अधिवक्ता शांतनु बंसल द्वारा रिकॉर्ड के सूक्ष्म विश्लेषण के दौरान एक महत्वपूर्ण तथ्य न्यायालय के समक्ष रखा गया कि एक ही पुलिस कांस्टेबल को दो अलग-अलग एनडीपीएस मामलों में लगभग एक ही समय पर दो अलग-अलग स्थानों पर मौजूद दर्शाया गया है।

जगतपुरा की बृजपुरी कॉलोनी में फ्लैट के बाहर से बाइक चोरी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर के जगतपुरा इलाके में स्थित खाटूश्याम सर्किल (7 नंबर चौराहा) के आसपास चोरी और असामाजिक गतिविधियों को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ गई है। बुधवार देर रात एयरपोर्ट रोड स्थित बृजपुरी कॉलोनी में एक फ्लैट के बाहर खड़ी बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बृजपुरी कॉलोनी के प्लॉट नंबर 103 स्थित ग्राउंड फ्लोर पर फ्लैट में रहने वाले नरेन्द्र कुमार की बाइक उनके फ्लैट के बाहर से चोरी हो गई। गुरुवार सुबह करीब 5 बजे जब वे सोकर उठे तो बाइक वहां मौजूद नहीं थी। बाइक चोरी होने के बाद नरेन्द्र कुमार प्रतापनगर थाना पहुंचे। उन्होंने बताया कि थाना स्तर पर उन्हें पहले 100 नंबर पर शिकायत दर्ज कराने के लिए कहा गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात 8 बजे के बाद भी शराब ठेके के बाहर कथित रूप से शराब बेची जाती है।

राजस्थान पुलिस का बड़ा अभियान : डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में महिला सुरक्षा संकल्प की धूम

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में महिला सुरक्षा संकल्प अभियान अत्यंत प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी निर्देशों के तहत 1 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस राज्यव्यापी अभियान के माध्यम से राजस्थान के सभी पुलिस जिलों में व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस महत्वपूर्ण अभियान के सफल और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए कम्युनिटी पुलिसिंग से

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता मीना तथा सिविल राइट्स शाखा से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नविता खोखर को राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो सभी जिलों से समन्वय करके गतिविधियां आयोजित करवा रही है। अभियान के तहत पूरे राजस्थान में जिला स्तर पर एक व्यापक महा-संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 1.5 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं की ऐतिहासिक भागीदारी दर्ज की गई।

महिला सुरक्षा को समाज का साझा दायित्व बनाने और इस दिशा में धरातल पर असाधारण प्रयास करने वाली 1,588 उत्कृष्ट महिला वॉलंटियर्स को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इनमें वे महिलाएं शामिल थीं जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में सुरक्षा सखी महिला सीएलजी राजीविका आंगनवाड़ी आशा सहयोगिनी NGO इत्यादि के रूप में समाज में जागरूकता फैलाने और महिलाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान में पुलिस का सहयोग किया है।

पाली के सोजत रोड में एसीबी की कार्रवाई : पट्टा जारी करने के नाम पर 25,000 रुपये रिश्वत लेते संविदाकर्मी परमानन्द शर्मा रंगे हाथ गिरफ्तार

एजेंसी, थिंक राजस्थान

पाली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय के निर्देश पर पाली द्वितीय इकाई ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। टीम ने नगरपालिका सोजत रोड (जिला पाली) में कार्यरत संविदाकर्मी परमानन्द शर्मा को परिवादी से 25,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी चौकी पाली द्वितीय को एक परिवादी ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, परिवादी के बड़े पिताजी के नाम का पैतृक भूखंड का पट्टा जारी करने की एवज में नगरपालिका सोजत रोड का संविदाकर्मी परमानन्द शर्मा अधिकारियों और कर्मचारियों (अकाउंटेंट, जेईएन और ईओ) के नाम से 25,000 रुपये की रिश्वत राशि की मांग कर रहा था।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी रेंज जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस नारायण टोगस के सुपरविजन में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पाली द्वितीय के प्रभारी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देरावर सिंह एवं टीम द्वारा मांग का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन सही पाए जाने पर आज 16 जुलाई 2026 को ट्रैप की कार्रवाई की गई।

आरोपी परमानन्द शर्मा ने जैसे ही परिवादी से 25,000 रुपये की रिश्वत राशि ली, एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी ने रिश्वत की यह रकम अपनी पैंट की दाहिनी साइड वाली जेब में रखी थी, जहां से टीम ने इसे बरामद कर लिया। एसीबी की जांच में एक और चौंकाने वाला प्रशासनिक घालमेल सामने आया है। आरोपी परमानन्द शर्मा पहले सोजत रोड पंचायत में कर्मचारी था।

बयाना में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा धूमधाम से निकली, श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। कस्बे में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की पावन रथयात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ निकाली गई। रथयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जबकि यात्रा के दर्शन के लिए मुख्य बाजारों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे मार्ग पर भक्तों ने जयघोष करते हुए भगवान जगन्नाथ का स्वागत किया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया।व्यापारियों ने भगवान की प्रतिमा पर फल अर्पित कर आशीर्वाद लिया। बाजारों में दिन भर भक्तिमय माहौल बना रहा। हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा का विशेष धार्मिक महत्व माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अपने-अपने रथों पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। पूरे आयोजन के दौरान कस्बे में उत्सव जैसा माहौल बना रहा।

पालनागृह से स्नेहिल आशियाने तक : दौसा में नन्हीं मुस्कान को मिला नया परिवार, एक निस्संतान दंपति के घर गूंजी किलकारियां

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। हर बच्चे का अधिकार है कि उसे माता-पिता का प्यार, सुरक्षा और एक खुशहाल परिवार मिले। पालनागृह में पल रही एक मासूम नन्हीं बालिका का यह सपना आखिरकार साकार हो गया है। किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत राजकीय विशेषज्ञ दत्तकग्रहण अभिकरण की संवेदनशीलता और प्रयासों से 'मुस्कान' (परिवर्तित नाम) को एक स्नेहिल परिवार मिल गया है। यह दत्तकग्रहण केवल एक मासूम के जीवन में नया सवेरा ही नहीं लाया, बल्कि एक निस्संतान दंपति के सूने घर को भी वर्षों बाद बच्चों की किलकारियों से सराबोर कर गया।

जिला बाल संरक्षण इकाई के सहायक निदेशक विश्व देव ने इस सुखद घटनाक्रम पर जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय दत्तकग्रहण संसाधन प्राधिकरण (कारा - CARA) तथा राज्य बाल अधिकारिता विभाग अनाथ, परित्यक्त एवं समर्पित किए गए बच्चों के दत्तकग्रहण (एडॉप्शन) सहित उनके समुचित पुनर्वास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने समाज से अपील की कि सामान्य बच्चों के साथ-साथ दिव्यांग बच्चों के दत्तकग्रहण के लिए भी लोगों को संवेदनशीलता दिखाते हुए आगे आने की आवश्यकता है। विशेषज्ञ दत्तकग्रहण अभिकरण के अधीक्षक नरेंद्र सिंह ने बताया कि कारा पोर्टल के माध्यम से दत्तकग्रहण की पूरी प्रक्रिया अत्यंत सुरक्षित, विधिक और पारदर्शी है, जिसमें बच्चे के सभी अधिकारों का पूरा ध्यान रखा जाता है। वर्तमान में इस बालिका को नियमानुसार 'प्री-एडॉप्शन फोस्टर केयर' के तहत परिवार को सौंपा गया है। इसके बाद अब जिला मजिस्ट्रेट (कलेक्टर) द्वारा दत्तकग्रहण आदेश जारी किए जाने की अंतिम प्रक्रिया जारी है। इस दंपति ने वर्ष 2022 में कारा (CARA) पोर्टल पर दत्तकग्रहण के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कराया था। हाल ही में पोर्टल के माध्यम से उन्हें इस बालिका का रेफरल प्राप्त हुआ। सभी आवश्यक औपचारिकताओं और दस्तावेजों की जांच के बाद दंपति ने बालिका को 'रिजर्व' किया।

जयपुर के जनाना अस्पताल में तकनीकी खराबी से बिजली गुल, ऑपरेशन सहित कई सेवाएं प्रभावित

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। जयपुर स्थित जनाना अस्पताल में तकनीकी खराबी के कारण गुरुवार को करीब तीन घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली गुल होने से अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर, नर्सरी, ओपीडी, आईपीडी सहित कई विभागों का काम प्रभावित हुआ, जिससे मरीजों और विशेष रूप से प्रसूताओं तथा उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अस्पताल प्रशासन ने स्थिति को देखते हुए एहतियात के तौर पर इलेक्टिव (निर्धारित) सर्जरी कुछ समय के लिए रोक दी। वहीं, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित न हों, इसके लिए

तुरंत वैकल्पिक बिजली व्यवस्था शुरू कर दी गई, जिससे गंभीर मरीजों की चिकित्सा सेवाएं सुचारु रूप से जारी रखी जा सकें। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महिला अस्पताल के ब्लड बैंक को भी अलर्ट मोड पर रखा गया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल रक्त उपलब्ध कराया जा सके।

अस्पताल अधीक्षक डॉ. नूपुर लोरिया पूरे घटनाक्रम पर लगातार नजर बनाए रहीं और संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर बिजली आपूर्ति बहाल करने तथा चिकित्सा सेवाओं को सामान्य बनाए रखने के निर्देश देती रहीं। अस्पताल प्रशासन के अनुसार तकनीकी खराबी के बावजूद आवश्यक चिकित्सा सेवाओं को प्राथमिकता दी गई और फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। तकनीकी खराबी की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन ने संबंधित विद्युत तकनीकी दल और रखरखाव कर्मियों को तत्काल मौके पर बुलाया। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण उत्पन्न स्थिति का त्वरित आकलन कर आवश्यक विभागों में वैकल्पिक विद्युत व्यवस्था सक्रिय की गई, ताकि आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं पर न्यूनतम प्रभाव पड़े। अधिकारियों ने लगातार स्थिति की निगरानी करते हुए बिजली आपूर्ति जल्द से जल्द बहाल कराने के प्रयास किए।

आर्य समाज मंदिर में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर, बड़ी संख्या में मरीजों ने उठाया लाभ

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बयाना। बयाना कस्बे के आर्य समाज मंदिर परिसर में निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बयाना सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचे। शिविर में होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर विभिन्न बीमारियों के लिए निःशुल्क दवाइयां वितरित कीं और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। डॉ. पुष्पेन्द्र कुमार ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवा, उपचार और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस पहल से बयाना एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोग बिना किसी शुल्क के अपनी बीमारियों का उपचार करवा रहे हैं। शिविर में थायराइड, एलर्जी, मधुमेह (शुगर), गठिया, महिलाओं से संबंधित रोगों सहित विभिन्न बीमारियों के मरीजों का उपचार किया गया। शिविर में पहुंचे लोगों ने इस निःशुल्क स्वास्थ्य सेवा की सराहना करते हुए इसे जनहित की महत्वपूर्ण पहल बताया। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

मनोरंजन समाचार

कॉन्सर्ट में कैटी पेरी का अनोखा अंदाज, पूर्व मंगेतर ऑरलैंडो ब्लूम पर तंज की अटकलें तेज

हॉलीवुड की मशहूर गायिका और गीतकार कैटी पेरी एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार चर्चा उनकी नई परफॉर्मेंस को लेकर हो रही है, जिसे कई लोग उनके पूर्व मंगेतर ऑरलैंडो ब्लूम पर किया गया एक तंज मान रहे हैं। यह मामला स्पेन के सैंटियागो डी कॉम्पोस्टेला में आयोजित प्रसिद्ध 'ओ सोन डो कैमिनो' का है। कैटी पेरी यहां मुख्य कलाकार के रूप में प्रस्तुति दे रही थीं। अपने 2020 के हिट गाने 'नेवर रियली ओवर' की परफॉर्मेंस के दौरान मंच पर एक विशाल आईफोन ग्राफिक दिखाया गया, जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस ग्राफिक में कैटी पेरी के कई कथित रिश्तों से जुड़े लोगों के नाम या उनके शुरुआती अक्षर दिखाई दिए। इनमें डीजे डिप्लो, संगीतकार जॉन मेयर के शुरुआती अक्षर, पूर्व पति रसेल ब्रांड और ऑरलैंडो ब्लूम का नाम शामिल था। स्क्रीन पर ऐसा दिखाया गया मानो इन सभी की कॉल कैटी पेरी को आ रही हो।

दिलचस्प बात यह रही कि कैटी ने इन सभी कॉल्स को नजरअंदाज कर दिया। बाद में उन्होंने एक कॉल रिसीव की, जिस पर 'जेपीजेटी' लिखा हुआ था। इसे कई लोगों ने जस्टिन ट्रूडो के पूरे नाम 'जस्टिन पियरे जेम्स ट्रूडो' के शुरुआती अक्षरों से जोड़कर देखा। इस दृश्य ने सोशल मीडिया पर काफी चर्चा बटोरी। कई प्रशंसकों ने इसे कैटी पेरी के पुराने रिश्तों और उनके नए रिश्ते की ओर इशारा करने वाला मजाकिया अंदाज बताया।

दीपिका पादुकोण के नाम पर फिर खेल! सोनम वांगचुक के अनशन से जुड़े वायरल पोस्ट की सच्चाई आई सामने

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने शिक्षाविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के अनशन के समर्थन में एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की और बाद में उसे डिलीट कर दिया। हालांकि जांच में यह दावा पूरी तरह से झूठा साबित हुआ है। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि दीपिका ने कभी ऐसी कोई स्टोरी साझा की थी। वायरल हो रहा स्क्रीनशॉट पूरी तरह से फर्जी और एडिटेड है। राजनीतिक संदेशों से जुड़े इस कथित स्क्रीनशॉट में दिखाया गया है कि दीपिका ने सोनम वांगचुक से जुड़े एक पोस्ट को री-शेयर करते हुए भावुक नोट लिखा है। इस वायरल पोस्ट में लिखा गया, 'वह उपवास कर रहे हैं और हम स्क्रॉल कर रहे हैं।' इसके साथ ही इसमें दीपिका के नाम से लोकतंत्र और राजनीतिक नेतृत्व पर सवाल उठाने वाली बातें भी लिखी गई हैं। सच यह है कि दीपिका के आधिकारिक अकाउंट पर ऐसा कोई पोस्ट कभी नहीं देखा गया। स्क्रीनशॉट की जांच करने पर इसमें साफ तौर पर छेड़छाड़ सबूत मिले। यह पहला मौका नहीं है जब दीपिका पादुकोण के नाम का इस्तेमाल कर कोई भ्रामक जानकारी फैलाई गई हो। बीते कुछ महीनों में यह दूसरी बार है जब उन्हें लेकर कोई फर्जी पोस्ट वायरल हुआ है। इससे पहले मार्च में भी एक झूठा स्क्रीनशॉट फैलाया गया था, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधरः द रिवेंज' का रिव्यू पोस्ट किया था, जो बाद में मनगढ़ंत साबित हुआ।बता दें, आज यानी गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की सुरक्षा और सेहत को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई की। वांगचुक पिछले 19 दिनों से जंतर मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं और लगातार उनके वजन घटने की बात सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि वो काफी कमजोर हो गए हैं। याचिका में कहा गया है कि भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की सुरक्षा और स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए टिप्पणी की, 'जिंदगी बहुत कीमती है।'

हर भाषा की फिल्म करो, पिता की इस सलाह पर चल रहीं अदा शर्मा अब मराठी सिनेमा में दिखेंगी

साउथ और बॉलीवुड सिनेमा में अपने अभिनय का जादू बिखेरने के बाद अभिनेत्री अदा शर्मा अब फिल्म 'गजरा' से मराठी सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। अदा शर्मा ने बताया कि जब उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब उनके पिता ने एक खास सलाह दी थी कि उन्हें भारत की हर भाषा की फिल्म में काम करना चाहिए। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में अपने पिता द्वारा दी गई खास सलाह को याद करते हुए बताया, "जब मैंने अपने पिता से कहा कि मैं एक्ट्रेस बनना चाहती हूं तो उन्होंने मुझसे कहा था कि तुम्हें भारत की हर भाषा में एक फिल्म जरूर करनी चाहिए।

'रागिनी 3' में दिखेगा तमन्ना भाटिया का सबसे खतरनाक अवतार, हॉरर और रोमांस का अनोखा तड़का लगाने लौट रही फ्रेंचाइजी

भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित और डरावनी फ्रेंचाइजी में से एक 'रागिनी' एक बार फिर दर्शकों के रोंगटे खड़े करने के लिए तैयार है। एकता कपूर के बैनर बालाजी मोशन पिक्चर्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित डेट नाइट हॉरर एंटरटेनर फिल्म 'रागिनी 3' के निर्माण का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। इस बार फिल्म की मुख्य भूमिका में खूबसूरत और प्रतिभाशाली अभिनेत्री तमन्ना भाटिया नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल लंदन की खूबसूरत और रहस्यमयी लोकेशन्स पर शुरू हो चुका है। निर्माताओं ने इस फिल्म को साल 2027 में बड़े पर्दे पर रिलीज करने का फैसला किया है। 'रागिनी 3' का निर्देशन जाने-माने डायरेक्टर शशांक घोष कर रहे हैं। निर्देशक का दावा है कि यह फिल्म इस लोकप्रिय हॉरर फ्रेंचाइजी को एक बिल्कुल नए और बेहद रोमांचक मुकाम पर लेकर जाएगी। फिल्म की यूएसपी इसका अनोखा स्क्रीनप्ले होगा, जिसमें हॉरर और सस्पेंस के साथ-साथ भरपूर रोमांस और कई चौंकाने वाले ट्विस्ट्स देखने को मिलेंगे। फिल्म की मूल आत्मा यानी डर और रहस्य को

बरकरार रखते हुए इसमें आज के दौर का तड़का लगाया जाएगा, ताकि यह युवा दर्शकों को थिएटर्स तक खींचने में कामयाब हो सके। तमन्ना भाटिया अपने करियर में कमर्शियल सिनेमा और गंभीर किरदारों के बीच बेहतरीन संतुलन बनाने के लिए जानी जाती हैं। 'रागिनी 3' में उनका किरदार बेहद रहस्यमयी, गहरा और पूरी तरह से अप्रत्याशित होने वाला है, जिसे उन्होंने अब तक स्क्रीन पर नहीं आजमाया है।

यही वजह है कि यह फिल्म तमन्ना के करियर के सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट्स में से एक बन गई है।

फिल्म के निर्माताओं का कहना है कि इस मुख्य भूमिका के लिए तमन्ना उनकी पहली और एकमात्र पसंद थीं, क्योंकि जिस तरह का अभिनय कौशल इस किरदार के लिए आवश्यक है, उसे तमन्ना से बेहतर कोई और न्याय नहीं दे सकता था। फिल्म का पहला और बेहद महत्वपूर्ण शूटिंग शेड्यूल इस समय लंदन में चल रहा है। बालाजी मोशन पिक्चर्स इस प्रोजेक्ट को काफी बड़े पैमाने पर बना रहा है। हालांक, मेकर्स ने अभी तक इस फिल्म की बाकी स्टारकास्ट और इसकी मुख्य कहानी को पूरी तरह से गुप्त रखा है। उनका कहना है कि आने वाले कुछ महीनों में फिल्म के अन्य कलाकारों के नामों और कहानी की मुख्य थीम से धीरे-धीरे पर्दा उठाया जाएगा। हॉरर और सस्पेंस फिल्मों के शौकीनों के लिए साल 2027 की यह रिलीज बेहद खास होने वाली है। 'में नजर आएंगी। फिल्म की नई रिलीज डेट भी जारी कर दी गई है, जो कि 25 सितंबर है। इसके अलावा तमन्ना ओटीटी वेब सीरीज 'शक्ति' में नजर आने वाली हैं। ये एक थ्रिलर वेब सीरीज होगी। एक्टिंग के अलावा एक्ट्रेस अपने ज्वेलरी ब्रांड को भी वक्त दे रही हैं। इसके अलावा भी कई प्रोजेक्ट्स पर एक्ट्रेस की बातचीत चल रही है। निर्माताओं के अनुसार फिल्म की छायांकन शैली और पृष्ठभूमि संगीत भी इसकी प्रमुख विशेषताओं में शामिल होंगे। लंदन के ऐतिहासिक और रहस्यमयी स्थलों पर फिल्माए जा रहे दृश्य कहानी के वातावरण को और अधिक प्रभावशाली बनाएंगे।

'सतलुज' के लिए दिलजीत दोसांझ ने ली कितनी फीस? डायरेक्टर ने कर दिया खुलासा

फिल्म निर्माता हनी त्रेहन ने एक हालिया इंटरव्यू में अभिनेता और मशहूर एक्टर और सिंगर दिलजीत दोसांझ को लेकर एक बेहद भावुक और बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म 'सतलुज' में मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की मुख्य भूमिका निभाने के लिए दिलजीत ने एक अनोखी मिसाल पेश की। दिलजीत का मानना था कि पंजाब के इतने बड़े नायक का किरदार निभाने के लिए किसी भी तरह का व्यावसायिक लाभ लेना उनके सिद्धांतों के खिलाफ होगा। निर्देशक ने स्पष्ट किया कि इस ऐतिहासिक भूमिका के लिए दिलजीत ही उनकी पहली और एकमात्र पसंद थे, जिनके बिना इस फिल्म की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। फिल्म निर्माता हनी त्रेहन ने बताया कि अभिनेता और मशहूर सिंगर दिलजीत दोसांझ ने फिल्म 'सतलुज' में मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की भूमिका निभाने के लिए महज 1 रुपये की टोकन फीस ली थी। द प्रिंट के साथ से बातचीत के दौरान निर्देशक हनी त्रेहन ने साल 2021 में दिलजीत दोसांझ के साथ हुई अपनी पहली मुलाकात को याद किया। उन्होंने बताया कि वे दिलजीत से सिर्फ 30 मिनट के लिए मिले थे और उन्होंने अपनी रिसर्च के सारे दस्तावेज उनके सामने रख दिए थे। जैसे ही दिलजीत ने जसवंत सिंह खालरा की तस्वीर और उनके संघर्षों की कहानी देखी, वह दंग रह गए और उन्होंने तुरंत इस फिल्म के लिए कोई भी फीस न लेने का फैसला कर लिया। उस भावुक पल को याद करते हुए 47 वर्षीय निर्देशक ने बताया, 'दिलजीत अपनी कुर्सी से खड़े हो गए, उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट को अपने माथे से लगाया और पूरी श्रद्धा के साथ 'वाहेगुरु' कहा।

'दिख रहा था कि वो परेशान थे', अक्षय कुमार के 25 करोड़ वाले नोटिस पर बोले परेश रावल, बोले- मैं 'हेरा फेरी' से शादी कर चुका हूं

पिछले साल फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, जब दिग्गज अभिनेता परेश रावल ने अचानक इस बहुप्रतीक्षित फिल्म से अलग होने का ऐलान कर दिया था। इस फैसले से नाराज होकर फिल्म के सह-निर्माता और अभिनेता अक्षय कुमार ने उन पर कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन और प्रोजेक्ट को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए 25 करोड़ रुपये का कानूनी नोटिस भेज दिया था। महीनों तक चली कानूनी खींचतान और कई उतार-चढ़ाव के बाद आखिरकार परेश रावल ने अपना फैसला बदला और वे फिल्म में लौटने के लिए तैयार हो गए। अब परेश रावल ने इस पूरे विवाद के पीछे की असली कहानी साझा की है और बताया है कि उन्होंने शुरुआत में इस ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइजी को क्यों छोड़ दिया था। विक्की लालवानी के साथ हालिया इंटरव्यू में परेश रावल ने साफ किया कि उनका यह फैसला अक्षय कुमार के साथ किसी भी तरह की व्यक्तिगत असहजता या अनबन के कारण नहीं था। उन्होंने बताया, 'यह पूरी तरह से एक संविदात्मक बाध्यता का मामला था। अगर मुझे यह फिल्म करनी थी, तो मुझे निर्माता फिरोज नाडियाडवाला की आधिकारिक मंजूरी की जरूरत थी, क्योंकि 'हेरा फेरी' फ्रेंचाइजी के एकमात्र मालिक वही हैं। जब तक मुझे उनकी तरफ से लिखित मंजूरी नहीं मिलती, मैं इस प्रोजेक्ट के लिए आगे नहीं बढ़ सकता था।'

अभिनेत्री निमरत कौर ने सोशल मीडिया पर शेयर की अपने बिजी शेड्यूल की झलक

अभिनेत्री निमरत कौर ने गुरुवार को सोशल मीडिया के जरिए अपने बिजी शेड्यूल की एक झलक दिखाई। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि साल के शुरुआती छह महीने उनके काम और भागदौड़ में कैसे बीते। इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में अभिनेत्री निमरत कौर काम की जिम्मेदारियों, ट्रैवलिंग और अपनी व्यस्त दिनचर्या के पलों का आनंद लेते हुए देखा जा सकता है। क्लिप में एक्ट्रेस को जिम में वर्कआउट करते, फोटोशूट के लिए पोज देते और अपनी व्यस्त दिनचर्या के कई अन्य पलों को कैद करते हुए भी दिखाया गया है।

वीडियो शेयर कर अभिनेत्री निमरत कौर ने लिखा, "अब तक का मेरा आधा सालः जनवरी, ट्रैवल, काम, खाना, हीटवेव, एक और हीटवेव, जुलाई, रिपीट।"

निमरत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं, जहां वह अक्सर तस्वीरों और वीडियो के जरिए अपनी जिंदगी की झलकियां शेयर करती रहती हैं।

'दिख रहा है सब', सलमान खान ने सबसे पहले पकड़ी थी सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की लव स्टोरी

सच्ची प्रेम कहानियों की चमक को छुपाना बेहद मुश्किल होता है, भले ही प्रेमी उसे लाख छुपाने की कोशिश करें। कुछ ऐसा ही किस्सा बॉलीवुड की मशहूर जोड़ी सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल का भी रहा है। हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेदी के लोकप्रिय टॉक शो 'डबल डेट' के एक नए और दिलचस्प एपिसोड में इस स्टार कपल ने अपनी निजी जिंदगी और मोहब्बत के सफर से जुड़े कई मजेदार राज खोले। दोनों ने बताया कि जब वे खुद भी अपने रिश्ते को आधिकारिक तौर पर स्वीकार करने से कतरा रहे थे, तब बॉलीवुड के 'सुल्तान' सलमान खान ने सबसे पहले उनके बीच पनप रहे प्यार को भांप लिया था।

यह बात किसी से छुपी नहीं है कि सलमान खान ही वह शख्स हैं जिन्होंने सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की पहली मुलाकात करवाई थी। शो के दौरान जहीर इकबाल ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताया कि वे दोनों शुरुआत में अपने इस खास रिश्ते को दुनिया के सामने लाने से कतराते थे, लेकिन सलमान खान की पारखी नजरों से कुछ भी छुप नहीं सका। जहीर ने मुस्कुराते हुए कहा, 'इससे पहले कि हम खुद सलमान भाई के पास जाकर अपने रिश्ते का इकरार करते या उन्हें कुछ बताते, उन्हें सब कुछ पहले से ही पता चल चुका था। वे हमारे हाव-भाव देखकर ही समझ गए थे कि हम दोनों के बीच दोस्ती से बढ़कर कुछ चल रहा है।' सोनाक्षी सिन्हा ने भी इस मजेदार बातचीत में हिस्सा लेते हुए हंसते हुए उस दौर का एक बेहद दिलचस्प वाकया साझा किया।

अनिल कपूर की एक सलाह ने बदला अंजना सुखानी का नजरिया, इंटरव्यू में किया खुलासा

बॉलीवुड अभिनेत्री अंजना सुखानी ने हाल ही में अपने करियर के शुरुआती दिनों से जुड़ा एक खास किस्सा शेयर किया। उन्होंने बताया कि फिल्म 'सलाम-ए-इश्क' की शूटिंग के दौरान अनिल कपूर ने उन्हें जो सलाह दी थी, उसने उनके सोचने का नजरिया बदल दिया और वह आज भी उस सीख को अपने जीवन में उतारने की कोशिश करती हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अंजना सुखानी से पूछा गया कि उन्होंने अपने करियर में अमिताभ बच्चन, सलमान खान, जॉन अब्राहम और अजय देवगन जैसे कई दिग्गज कलाकारों के साथ काम किया है। ऐसे में क्या किसी स्टार ने उन्हें ऐसी सलाह दी, जो आज भी उनके दिल और दिमाग में बसी हुई है। इस सवाल का जवाब देते हुए अंजना ने अनिल कपूर का नाम लिया।

सार समाचार

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,829 हुई, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

वेनेजुएला में 24 जून को आए दोहरे भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 4,829 हो गई है। नेशनल असेंबली के प्रेसिडेंट जॉर्ज रोड्रिगेज ने बुधवार को यह जानकारी दी। रोड्रिगेज के सोशल मीडिया पर जारी अपडेट के अनुसार, घायलों की संख्या 16,740 बनी हुई है। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारियों ने 106 अस्थायी कैंप बनाए हैं, जिनमें अब इस आपदा से प्रभावित 20,857 लोग रह रहे हैं और 63,000 से ज्यादा लोग अभी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन में तैनात हैं। तीन हफ्ते पहले आए दोहरे भूकंप के बाद से वेनेजुएला में 1,284 आफ्टरशॉक (भूकंप के हल्के-हल्के झटके) रिकॉर्ड किए गए हैं।

इससे पहले 11 जुलाई को सोशल अफेयर्स के वाइस प्रेसिडेंट हेक्टर रोड्रिगेज ने शनिवार को टेलीग्राम पर कहा कि 24 जून को वेनेजुएला में आए भूकंप से प्रभावित कुल 18,437 लोगों को शेल्टर में ले जाया गया है।

उन्होंने कहा कि ला गुएरा, तटीय राज्य जहां दो भूकंपों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। वहां 10,981 लोग शेल्टर में हैं, जबकि काराकास में 6,133 और मध्य राज्य मिरांडा में 1,323 लोग हैं।

ताजा आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, मध्य वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के भूकंपों में 4,118 लोग मारे गए हैं और 16,740 घायल हुए हैं। इससे पहले रोड्रिगेज ने कहा कि क्योंकि कई परिवार बेघर हैं, इसलिए सरकार ने एक यूनिफाइड हाउसिंग रजिस्ट्री शुरू की है, जो जनगणना और भूकंप पीड़ितों को सरकार के आदेश पर मिलने वाली वित्तीय मदद के लिए एक डेटाबेस का काम करेगी। रोड्रिगेज ने कहा कि सरकार जब तक पक्के घर बन रहे हैं, तब तक सिंगल फैमिली ट्रांजिशनल हाउसिंग वाले कैंप लगाने का भी प्लान बना रही है।

आतंकी हमलों से दहला पाकिस्तान का खैबर पख्तूनख्वा, 3 पुलिसकर्मियों की मौत, 34 घायल

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को हुए 2 अलग-अलग आतंकी हमलों में 3 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि 34 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, एक हमला लोअर दीर जिले में पुलिस काफिले पर किया गया, जबकि दूसरा हमला बन्नू जिले के मिरयान पुलिस स्टेशन को निशाना बनाकर किया गया। दोनों घटनाओं के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पहली घटना लोअर दीर जिले में हुई, जहां आतंकियों ने पुलिस के एक काफिले पर हैंड ग्रेनेड और ऑटोमैटिक हथियारों से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, हमला हैदर क्षेत्र के लादम टॉप के पास उस समय हुआ, जब पुलिस का काफिला वहां से गुजर रहा था।

'पाकिस्तान गंभीर महामारी के मुहाने पर खड़ा', 6.51 लाख बच्चों को नहीं मिली एक भी खुराक

पाकिस्तान के स्वास्थ्य महकमे की हालत कितनी नाजुक है, इसकी मिसाल जब-तब मिलती ही रहती है। फिलहाल जीरो-डोज वाले बच्चों की बढ़ती संख्या ने स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल कर रख दी है।

किसी और ने नहीं, बल्कि पाकिस्तान मेडिकल एसोसिएशन (पीएमए) ने इसे लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान एक गंभीर महामारी संबंधी संकट के मुहाने पर खड़ा है।

पीएमए ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में पाकिस्तान में बड़ी संख्या में "जीरो-डोज" बच्चों की मौजूदगी को लेकर तत्काल राष्ट्रीय रेड अलर्ट जारी किया है। जीरो-डोज बच्चे वे बच्चे होते हैं, जिन्हें डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी से बचाव वाली वैक्सीन (डीटीपी1) की पहली खुराक भी नहीं मिली होती है। नियमित टीकाकरण व्यवस्था से पूरी तरह बाहर रह गए 6.51 लाख शिशुओं के साथ, चिकित्सा समुदाय के प्रतिनिधि संगठन ने चेतावनी दी है कि पाकिस्तान एक गंभीर महामारी संबंधी संकट के मुहाने पर खड़ा है, जिससे बच्चों में रोकी जा सकने वाली बीमारियों और मौतों का बड़े पैमाने पर दोबारा प्रसार हो सकता है।

पीएमए ने इसे औपचारिक रूप से 'राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित करते हुए कहा कि टीकाकरण में इतनी बड़ी कमी से सामूहिक प्रतिरक्षा (हर्ड इम्युनिटी) बनाए रखने की सीमा प्रभावित हो गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में अनियंत्रित संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है।

'क्या तुम मुस्लिम हो?' पूछने के बाद भारतीय युवक को चाकू से गोदा, अमेरिका के मॉल में हमला

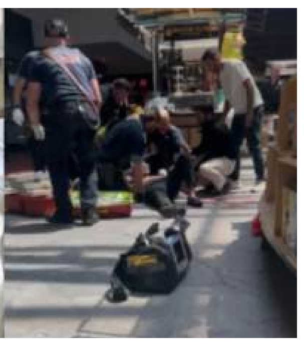

अमेरिका के यूटा स्टेट में एक शॉपिंग मॉल के भीतर भारतीय मूल के युवक पर जानलेवा हमला हुआ। जानकारी के मुताबिक एक मुस्लिम युवक पर कथित तौर पर धर्म पूछने के बाद जानलेवा हमला किया गया। पुलिस के मुताबिकआरोपी ने पहले युवक से पूछा, "क्या तुम मुस्लिम हो?" और उसके जवाब के बाद उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में युवक को करीब 15 बार चाकू मारा गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या की कोशिश और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक पीड़ित भारतीय युवक सुहैल यूटा के एक शॉपिंग मॉल के कियोस्क पर काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक धर्म पूछने के बाद आरोपी ने अचानक चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया। जब तक पुलिस पहुंचती, वहां मौजूद लोगों ने बहादुरी दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया और उसे काबू में रखा। जांच में पुलिस ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि उसने पीड़ित को मुस्लिम होने की वजह से निशाना बनाया। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की विचारधारा हिंसक है और वह लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। पीड़ित भारतीय मूल के युवक के दोस्तों और साथ में काम करनेवालों ने बताया कि सुहैल अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला सदस्य है। उसकी पत्नी और दो छोटे बच्चे हैं। उसके पास हेल्थ इंश्योरेंस भी नहीं है, जिससे इलाज को लेकर परिवार की चिंता बढ़ गई है। सुहैल के मैनेजर अदनान मोहम्मद ने इस घटना को नफरत से प्रेरित अपराध (हेट क्राइम) बताते हुए कहा कि समाज में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुहैल हमेशा मुस्कुराते रहने वाला, मेहनती और जिम्मेदार कर्मचारी है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि काश वह मौके पर मौजूद होते तो उसे बचाने की कोशिश करते। विशेषज्ञों का मानना है कि आप्रवासन विरोधी बयानबाजी, श्वेत वर्चस्ववादी गतिविधियों और गाजा युद्ध के बाद बढ़े तनाव जैसी वजहों से इस तरह की घटनाओं में इजाफा हुआ है।

ट्रंप सरकार ने डिफेंस स्टार्टअप्स के लिए रक्षा खरीद प्रणाली में बदलाव का किया वादा

अमेरिका की ट्रंप सरकार ने पेंटागन के रक्षा खरीद प्रणाली में बड़े बदलाव करने का वादा किया है, ताकि रक्षा तकनीक इकोसिस्टम और कमर्शियल इनोवेटर्स के लिए मिलिट्री कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए मुकाबला करना आसान हो सके। उनका कहना है कि तेजी से बदलते सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए अमेरिका को तेजी से काम करना होगा। पेंसिल्वेनिया डिफेंस एंड इनोवेशन समिट में बुधवार (स्थानीय समय) को संबोधित करते हुए अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि ट्रंप प्रशासन उन नौकरशाही बाधाओं को खत्म कर रहा है, जिन्होंने लंबे समय तक स्थापित रक्षा कंपनियों को फायदा पहुंचाया, जबकि नई और उभरती कंपनियों के लिए सैन्य बाजार में प्रवेश करना मुश्किल बना दिया था। हेगसेथ ने रक्षा क्षेत्र के अधिकारियों, निवेशकों और तकनीकी उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा, "हमारी नौकरशाही व्यवस्था इस तरह बनाई गई थी कि आपमें से ज्यादातर लोग रक्षा क्षेत्र में प्रवेश ही न कर सकें। हम पेंटागन की नौकरशाही के खिलाफ लगातार संघर्ष कर रहे हैं, ताकि व्यवस्था को अधिक खुला बनाया जा सके और प्रतिस्पर्धा, गति, नवाचार तथा व्यावसायिक विकल्पों को उचित स्थान मिल सके।" हेगसेथ ने कहा कि प्रशासन चाहता है कि रक्षा खरीद से जुड़े फैसले लंबी सरकारी प्रक्रियाओं के बजाय कारोबार की रफ्तार, प्रतिस्पर्धा और बड़े पैमाने पर काम करने की गति के अनुरूप लिए जाएं। उन्होंने कहा, "कंपनियों को रक्षा विभाग में अवसर पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए। पहले प्रतिस्पर्धा में शामिल होने के लिए कंपनियों को ऐसा करना पड़ता था, लेकिन अब हम उस व्यवस्था को बदल रहे हैं।"

भीषण युद्ध के बीच ट्रंप ने की ईरान की तारीफ और बाइडेन को कोसा, जानें अमेरिकी महिला की कैद से जुड़ा पूरा मामला

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के Goodwill जेस्चर की तारीफ की। दरअसल, ट्रंप ने ईरान की यह तारीफ, ईरान की तरफ से एक अमेरिकी की महिला की रिहाई के बाद की है, जिसे ट्रंप के मुताबिक करीब डेढ़ साल पहले दिसंबर, 2024 से ईरान में हिरासत में रखा हुआ था। जानें ये पूरा मामला क्या है। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ईरान की तारीफ करते हुए कहा, 'ईरान ने एक अमेरिकी नागरिक को देश छोड़ने की इजाजत दे दी है, जिसको सोते रहने वाले जो बाइडेन के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान दिसंबर 2024 में गलत तरीके से हिरासत में लिया गया था। वह अब सुरक्षित रूप से ईरान से बाहर है और ठीक-ठाक है। अमेरिका, ईरान के इस सद्भावनापूर्ण कदम की सराहना करता है!' अपने पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भी निशाना साधा। ट्रंप ने अपने पोस्ट में यह भी बताया कि अमेरिकी महिला को जो बाइडेन के कार्यकाल के दौरान ही ईरान ने हिरासत में लिया था। हालांकि, अपने पोस्ट ट्रंप ने महिला की पहचान को उजागर नहीं किया और न ही उसकी रिहाई की शर्तों या हालातों के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी दी। इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स लॉयर जेरेड गेन्सर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर किए गए एक पोस्ट में अमेरिकी महिला का नाम डीना करारी बताया। गेन्सर ने डीना करारी की रिहाई की पुष्टि करते हुए लिखा- "मुझे यह बताते हुए खुशी और उत्साह हो रहा है कि मेरी क्लाइंट और अमेरिकी नागरिक Dena Karari, जो दिसंबर 2024 से Iran में झूठे आरोपों के कारण फंसी हुई थीं, अब आजाद हो गई है": जेरेड गेन्सर अपने एक्स पोस्ट में जेरेड गेन्सर ने इस परिणाम का क्रेडिट डोनाल्ड ट्रंप को देते हुए कहा, 'अगर Donald Trump के असाधारण और लगातार प्रयास न होते, तो ऐसा ना हो पाता। डीना करारी अब सुरक्षित हैं और अपने वतन अमेरिका लौट रही हैं।' एक तरफ, ट्रंप ने ईरान की तारीफ की है तो दूसरी तरफ अमेरिका के हाल के हमलों में ईरान के 35 से अधिक लोगों की मौत और 300 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर आई है।

फेड चेयरमैन केविन वार्श ने महंगाई पर दिखाई सख्ती, पांच टास्क फोर्स बनाने का ऐलान

फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श ने कहा है कि महंगाई एक विकल्प है और वादा किया है कि उनके नेतृत्व में लगातार उच्च कीमतों में बढ़ोतरी जारी नहीं रहेगी। इससे यह संकेत मिलता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भू-राजनीतिक तनाव और दूसरे आर्थिक खतरे को लेकर अनिश्चितता के बावजूद कीमतों में स्थिरता वापस लाना अमेरिकी सेंट्रल बैंक की सबसे बड़ी प्राथमिकता बनी हुई है। पदभार संभालने के सात सप्ताह बाद पहली बार बुधवार (स्थानीय समयानुसार) सीनेट बैंकिंग समिति के समक्ष अपनी अर्धवार्षिक मौद्रिक नीति सुनवाई में पेश हुए फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श ने कहा कि केंद्रीय बैंक महंगाई को फिर से नियंत्रण में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से महंगाई निर्धारित लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है। वॉर्श ने सांसदों से कहा, "जैसा कि मैं पहले भी कह चुका हूं और आज भी कह रहा हूं, महंगाई एक विकल्प है। हमारी समिति के सदस्य लगातार ऊंची महंगाई को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे और हम कीमतों में स्थिरता बहाल करने के लिए पूरी दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं।" उन्होंने कहा कि फेडरल ओपन मार्केट कमेटी ने अपनी हाल की मीटिंग में मौजूदा आर्थिक हालात का आकलन करने के बाद फेडरल फंड्स रेट को 3.5 से 3.75 फीसदी पर बिना बदलाव के छोड़ने का फैसला किया। वार्श ने अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत बताया और कहा कि आर्थिक गतिविधि अच्छी रफ्तार से बढ़ रही है, घरों का कंजम्पशन ठीक-ठाक बना हुआ है और इस साल मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट मजबूत हुआ।

ईरान ने अमेरिका से बातचीत से किया इनकार, कहा- 'फिलहाल पूरा ध्यान देश की रक्षा पर'

ईरान ने साफ कर दिया है कि फिलहाल उसकी अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत दोबारा शुरू करने की कोई योजना नहीं है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगई ने बुधवार को कहा कि इस समय देश का पूरा ध्यान अपनी सुरक्षा और रक्षा पर है। उन्होंने यह बात ऐसे समय कही है जब पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान की सरकारी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक, इस्माइल बगई ने कहा कि ईरान अब खुद को अमेरिका के साथ हुए उस MoU का पालन करने के लिए बाध्य नहीं मानता, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में जारी संघर्ष को खत्म करना था। बगई ने कहा कि जब तक अमेरिका 17 जून को हुए MoU के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता रहेगा, तब तक ईरान बातचीत की मेज पर वापस नहीं लौटेगा। उन्होंने कहा, 'फिलहाल हमारी बातचीत की कोई योजना नहीं है। इस समय हमारा पूरा ध्यान देश की रक्षा पर है।'

यह बयान उन्होंने अमेरिका के उस दावे के जवाब में दिया, जिसमें कहा गया था कि उसके सैन्य अभियान ईरान को फिर से बातचीत के लिए मजबूर कर देंगे। ईरान ने यह भी कहा है कि होर्मुज पर वह कोई समझौता नहीं करेगा और जंग के जरिए अमेरिका इस रास्ते को नहीं खोल पाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान का मानना है कि अमेरिका ने समझौते के शुरू से ही अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं कीं, इसलिए ईरान ने भी अपने दायित्वों पर दोबारा विचार करने का फैसला किया है। बगई ने कहा, 'समझौता ज्ञापन दोनों पक्षों की आपसी प्रतिबद्धताओं पर आधारित होता है। यदि दूसरा पक्ष उसका उल्लंघन करता है, तो हम भी अपनी जिम्मेदारियां निभाने के लिए बाध्य नहीं हैं। यह एक सिद्धांत है और आगे भी इसी रास्ते पर चलेंगे। दूसरे पक्ष ने MoU के पहले ही अनुच्छेद से बदनीयती दिखाई और अपने वादे तोड़े।'

बगई ने यह भी कहा कि अमेरिका के दबाव का मुकाबला करने के लिए ईरान के भीतर व्यापक जनसमर्थन है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान पर कोई सैन्य हमला किया गया तो उसकी सेना पूरी ताकत से जवाब देगी। बगई ने कहा, 'हमारी सशस्त्र सेनाएं किसी भी हमलावर का पूरी ताकत से जवाब देंगी। अगर वे हमला करेंगे तो उन्हें भी जवाबी हमला झेलना पड़ेगा।'

यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ईरान के तटीय इलाकों में लगातार सैन्य हमले कर रहा है। उसका कहना है कि 14 सूत्रीय एमओयू के अनुच्छेद-5 के तहत स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाले आवागमन के मैनेजमेंट की जिम्मेदारी तेहरान को सौंपी गई है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू अगले हफ्ते नहीं जाएंगे अमेरिका, लिंडसे ग्राहम के अंतिम संस्कार में होना था शामिल

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अगले हफ्ते अमेरिका नहीं जाएंगे। उनके कार्यालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। बयान के अनुसार, दिवंगत लिंडसे ग्राहम की स्मृति सभा कार्यक्रम टलने के कारण ये फैसला लिया गया है। उनके कार्यालय ने बताया कि अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम की स्मृति सभा स्थगित होने के कारण यह फैसला लिया गया है। द टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट्स के अनुसार, नेतन्याहू के शनिवार को अमेरिका रवाना होने और मंगलवार तक वहां रुकने की उम्मीद थी, जहां वह अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने वाले थे। इजरायल के प्रबल समर्थक और ईरान के आलोचक रहे ग्राहम का पिछले सप्ताह "अचानक बीमार" होने के बाद निधन हो गया था। नेतन्याहू ने अमेरिकी सीनेटर को अपना करीबी मित्र और अमेरिका-इजरायल गठबंधन का मजबूत समर्थक बताया था। उन्होंने इजरायल की सुरक्षा के प्रति ग्राहम की प्रतिबद्धता की भी सराहना की थी। वहीं, बुधवार को रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में भी कुछ ऐसा ही दावा किया गया था। इजरायली अधिकारी के हवाले से न्यूज एजेंसी ने बताया कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू शनिवार को अमेरिका की यात्रा करेंगे और वो अमेरिकी राष्ट्रपति से मुलाकात करना चाहते हैं, लेकिन फिलहाल स्पष्ट नहीं है कि दोनों नेताओं के बीच बैठक होगी या नहीं। अगर नेतन्याहू की यह यात्रा तय होती है, तो ईरान के खिलाफ संघर्ष शुरू होने के बाद यह उनकी पहली अमेरिका यात्रा होती। उनकी पिछली यात्रा फरवरी के मध्य में हुई थी। इसके कुछ ही दिनों बाद अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर संयुक्त सैन्य हमला किया था।

अमेरिकी उपराष्ट्पति वेंस ने ईरान की लगातार बमबारी के खिलाफ दी चेतावनी

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने ईरान के साथ बातचीत का बचाव करते हुए चेतावनी दी है कि लगातार बमबारी से होर्मुज स्ट्रेट सुरक्षित नहीं होगा और न ही इलाके में लंबे समय तक स्थिरता आएगी। उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा कि ट्रंप सरकार ईरान को न्यूक्लियर हथियार बनाने से रोकने के लिए कूटनीति, आर्थिक दबाव और सैन्य ताकत को मिला रहा है। इसके साथ ही रणनीतिक समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट से ऊर्जा सप्लाई भी जारी रख रहा है। द जो रोगन एक्सपीरियंस पर एक इंटरव्यू के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने कहा, "सेना एक टूल है, लेकिन कूटनीति दूसरा टूल है। इसलिए आपको असल में बात करने और प्रॉब्लम को समझने की कोशिश करने के लिए तैयार रहना होगा।" वेंस ने माना कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी सेना के अभियान को लेकर शुरू में उनका जोश कम था। हालांकि, उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति के तौर पर उनकी जिम्मेदारी डोनाल्ड ट्रंप को सलाह देना और फिर राष्ट्रपति के फैसले को लागू करना है। उन्होंने कहा, "इस बारे में मेरा नजरिया यह नहीं है कि तीन महीने पहले लिए गए फैसले पर सोमवार सुबह ही फैसला सुना दिया जाए। इस बारे में मेरा नजरिया इसे जितना हो सके सफल बनाने की कोशिश करना है।"

वेंस ने कहा कि ईरान के साथ सरकार के एमओयू का मकसद होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलना, हिंसा रोकना और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए एक फ्रेमवर्क बनाना था। उन्होंने कहा कि शुरुआती एग्रीमेंट से स्ट्रेट के जरिए तेल ट्रैफिक को फिर से शुरू करने में मदद मिली।

SPORTS NEWS

Why are Bukayo Saka, Marcus Rashford not playing for England vs Argentina in FIFA World Cup 2026

England have benched star wingers Bukayo Saka and Marcus Rashford from the starting lineup for the FIFA World Cup 2026 semi-final against Argentina. Head coach Thomas Tuchel made a tactical switch for the high-voltage game, giving a start to Antony Gordon on the left and Morgan Rogers, who is yet to start a game this tournament, a place on the right. Notably, Tuchel rewarded the Aston Villa forward for his influential performance after coming off the bench in the quarter-final against Norway. The 23-year-old provided England with energy, direct running and attacking intent that reignited England's attack, which eventually led to a goal from Jude Bellingham in added time to punch a ticket to the semi-final. That convinced Tuchel to hand Rogers his first start and he believes he could offer a different threat against Argentina. The pair could be introduced at around 60 minutes mark, which will only bolster England's attacking prowess.

Why is KL Rahul not playing in India vs England second ODI in Cardiff?

India keeper-batter KL Rahul has been dropped from the second ODI against England at Sophia Gardens in Cardiff. Captain Shubman Gill explained that the middle order batter is currently dealing with an illness, as Ishan Kishan replaced him in the playing XI. As per the team structure, the Jharkhand batter can slot in at number four, with Shreyas Iyer going down to number five. Washington Sundar has been listed at six. "We've got one change, KL is sick, so he misses out, and Ishan Kishan comes back in," Gill said after the toss. England have won the toss and elected to field first in the second ODI. Explaining the reason behind the move, captain Harry Brook stated that there's a nice spread of grass on the surface and they want to capitalise early on, using the seam movement of the pacers. "Nice even spread of grass. So hopefully we can get a little bit of seam movement and swing up front. (Anything you want to do differently here?) Just execute slightly better, I think. I've always said we're never out of games and I thought we put up a really good fight last game," Brook said after the toss. England, in the meantime, have made two changes to the playing XI.

Harry Kane believes 'England played good', defends Thomas Tuchel's strategies after defeat to Argentina

England suffered a 2-1 defeat to Argentina in the FIFA World Cup semi-final in Atlanta. They were leading till the 85th minute, but the next seven minutes stunned the Thomas Tuchel side, who conceded two late goals. The England coach made three defensive substitutions in the second half of the game, which was highly controversial as the Three Lions planned to park the bus, but the move didn't go well at all. Notably, Anthony Gordon had fired England ahead in the 55th minute and England controlled much of the contest before Tuchel reshaped his side after the second-half hydration break. The England manager introduced defensive reinforcements, including Ezri Konsa, Dan Burn and Nico O'Riley, as his team attempted to protect their narrow advantage rather than extend it. The tactical switch allowed Argentina to gain control of the closing stages. Enzo Fernandez equalised with a stunning long-range strike in the 86th minute before Lautaro Martinez headed home Lionel Messi's cross deep into stoppage time to complete the comeback and send the defending champions into the World Cup final. Meanwhile, despite the criticism surrounding England's conservative approach, captain Harry Kane insisted the players had not been instructed to sit back after taking the lead. Kane admitted the defeat was difficult to accept after England's run to the last four.

Virat Kohli breaks Sachin Tendulkar's legendary record with half-century against England in Cardiff

Star India batter Virat Kohli once again produced a dominant show with the bat in the second ODI against England at Sophia Gardens in Cardiff. Despite losing Rohit Sharma and Ishan Kishan in quick succession, the former India captain managed to keep the scoreboard ticking, hitting his 78th half-century in the process. The veteran departed scoring 65 runs off 66 balls as he set the tone for the middle order batters to take over. Now, courtesy of his half-century, Kohli broke Sachin Tendulkar's record for most 50+ scores by an Indian cricketer against England. He now tops the list with 33 50+ scores, beating Tendulkar's 32. Rahul Dravid, MS Dhoni and Sunil Gavaskar also feature in the top five. Kohli has surpassed Ricky Ponting to become the fifth-most-capped player in international cricket history. Only Tendulkar, Mahela Jayawardene, Kumar Sangakkara and Sanath Jayasuriya are ahead of him on the table. Kohli and Shreyas Iyer stitched a valuable partnership of 67 runs. After the 37-year-old departed, Shreyas took over the business and played some brilliant cricket, but he had little to no support from the other batters. Washington Sundar departed scoring two, while Axar Patel made one and Shivam Dube registered a golden duck. The pressure fell on Iyer, who bailed India out of trouble. The T20I captain scored a half-century and India managed to cross the 200-run mark. He eventually departed for 66 runs off 71 balls as India were reduced to nine wickets for 233 runs. The final wicket fell soon after that as England now have 234 runs to chase. Notably, India were 178/3 at one stage and were cruising towards 300, but England's quick turnaround changed the complexion of the team, as the hosts look favourite now. However, England staged a sensational comeback. Shortly after Kohli's dismissal, India lost wickets in quick succession as Washington Sundar managed only two runs, Axar Patel fell for one, and Shivam Dube was dismissed for a golden duck. With the lower order collapsing around him, Iyer assumed responsibility and produced another fighting knock. The right-hander registered a well-crafted 66 off 71 deliveries, ensuring India crossed the 200-run mark despite the collapse. With 234 runs required for victory, England head into the chase with the advantage on paper.

Gurnoor Brar found in breach of ICC's Code of Conduct, handed one demerit point after England ODI

In a major development, India pacer Gurnoor Brar has been penalised by the ICC (International Cricket Council) after he was found in breach of the ICC's Code of Conduct. It is worth noting that Brar has been warned and has been handed a demerit point for the same as well. The moment happened when Brar was bowling to Ben Duckett. In the 8th over of the game, Duckett drove the delivery back at the bowler. Gurnoor then went on to collect the ball and threw it back at Duckett. After the game, Brar admitted to the offence and ultimately accepted the sanction imposed upon him by match referee Richie Richardson, eliminating the need for a formal hearing. Speaking of his performance, taking two wickets in two overs, Brar looked to be in good form for India as they limited England to 258 in the first innings. Notably, Brar was found guilty of breaching Article 2.9 of the ICC's Code of Conduct, which is related to "throwing a ball at or near a player in an inappropriate and/or dangerous manner during an international match." The Men in Blue put forth a good showing in the first ODI of the series. The two sides will meet in the second ODI on July 16th.

Atlanta police on alert as security tightened for England vs Argentina FIFA World Cup semi-final

Atlanta police have tightened security plans for the FIFA World Cup 2026 semi-final between Argentina and England. The Police Department has introduced additional measures for the high-profile fixture, which officials consider a potentially high-risk event because of the historic rivalry between the two nations. The arrangements are designed to ensure the safety of players, officials and thousands of supporters expected at the stadium. The venue, which regularly hosts NFL and Major League Soccer matches, is set to welcome a capacity crowd for the semi-final. To manage the crowd and the fans of the respective teams away from each other, it will be for the first time in this tournament that supporters will be directed through separate entrances to prevent possible clashes.

Ben Stokes takes fresh dig at Ian Botham, continues war of words on social media

Legendary England cricketer Ian Botham has revived his public disagreement with former England captain Ben Stokes. The former England all-rounder took a fresh swipe at Stokes during the first ODI between England and India at Edgbaston in Birmingham, jokingly welcoming the recently retired cricketer into the "has-beens" club. "As we know, Michael Vaughan and I… We don't know what we're talking about. A couple of old has-beens. Ben, if you're listening, congratulations, you've joined the club. You're now a has-been," Botham said, talking about Stokes on the BBC Test Match Special. Stokes responded to the comment on X, formerly Twitter, by pointing to a quote commonly associated with Botham. "The quote 'It's better to be a has-been than a never-been" originates from Lord Ian Botham." Notably, the latest exchange follows a disagreement that began during England's Ashes preparations in Perth last November. Botham criticised the team management and especially captain Stokes for playing an internal practice match at a local club, instead of playing a domestic team, such as the Prime Minister's XI. Stokes wasn't impressed with Botham's comment. He hit back, stating that modern-day players faced circumstances different from those experienced by earlier generations. "There are quite a few factors that play into why we can't prepare the way the has-beens maybe did in the past," Stokes said.

However, the 35-year-old later clarified that he had misspoken and apologised for the remark. Botham and Stokes have long shared a professional association. The former served as chairman at Durham, the county where Stokes has spent much of his domestic career.

Lionel Messi pens heartfelt note to Argentina fans after entering second straight FIFA World Cup final

Argentina has reached its second straight FIFA World Cup. Coming into the tournament as the defending champions, the three-time World Cup champions will look to get their hands on their fourth title as they reached the summit clash of the tournament after defeating England in the second semi-final. It is worth noting that Lionel Messi once again worked his magic, providing two assists as Argentina defeated England 1-2 and booked their berth in the final, where they will take on 2010 champions Spain. After the exceptional victory, Messi came forward and wrote a heartfelt note to the Argentine fans for their support throughout the season. "To the fans, I say the same thing I said in Qatar: enjoy it. This team will never let you down. This World Cup has been absolutely crazy, and reaching another World Cup Final is incredible. Even though it was a football match, from the moment the national anthem started we experienced something special. This wasn't just another victory; the Argentine people desperately wanted it," Messi told the media after the game. After the first goal, instead of applying pressure, England decided to drop back and defend. Anthony Gordon scored the opener for England in the 55th minute of the game.

Gurnoor Brar found in breach of ICC's Code of Conduct

In a major development, India pacer Gurnoor Brar has been penalised by the ICC (International Cricket Council) after he was found in breach of the ICC's Code of Conduct. It is worth noting that Brar has been warned and has been handed a demerit point for the same as well. The moment happened when Brar was bowling to Ben Duckett. In the 8th over of the game, Duckett drove the delivery back at the bowler. Gurnoor then went on to collect the ball and threw it back at Duckett. After the game, Brar admitted to the offence and ultimately accepted the sanction imposed upon him by match referee Richie Richardson, eliminating the need for a formal hearing. With the win in the first ODI secured, India will take on England next at the Sophia Gardens in Cardiff.

इन पोषक तत्वों की कमी से हो सकती है पैरों में सूजन, डॉक्टर ने बताया कैसे मिल सकता है आराम?

अपने पैरों के ऊपर पांच सेकेंड तक उंगली से दबाएं। अगर वहां गड्ढा बन रहा है और वह जल्दी गायब नहीं हो रहा तो आपको अपनी सेहत को लेकर सावधान हो जाना चाहिए। आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा विशेषज्ञ (Ayurveda & Unani Medicine Expert) डॉक्टर सलीम ज़ैदी कहते हैं इस स्थिति का मेडिकल नाम है पिटींग एडिमा। इस स्थिति में थकान, कमजोरी और पैरों में सूजन, होना सामान्य लक्षण हैं। यह आपके शरीर का वह सिंग्नल है जो बताता है कि आपके शरीर किन पोषक तत्वों की कमी हुई है?

विटामिन बी 1: विटामिन बी 1 यानी थायमिन की कमी का असर सीधे आपके हार्ट और पैरों की नसों पर पड़ता है। मेडिकल साइंस में इस कंडीशन को वेट बेरीबेरी (Wet Beriberi) कहते हैं। जब शरीर में विटामिन बी 1 कम होता है तो उस वजह से ब्लड वेसल्स ढीली पड़ जाती हैं।

किडनी नमक को रोकने लगती है जिससे आपके पैरों में पानी भरने लगता है। ऐसे में अपने शरीर में विटामिन बी 1 को नेचुरली बढ़ाने के लिए आप कद्दू के बीज का सेवन करें।

इसमें भरपूर मात्रा में यह विटामिन पाया जाता है। आप इसका सेवन भूनकर और पाउडर दोनों रूप में कर सकते हैं। इसके अलावा आप मूंगफली, काला चना, राजमा, ब्राउन राइस, ओट्स और लोबिया का भी सेवन करें, इनमेब भी अच्छी मात्रा में विटामिन बी 1 पाया जाता है।

प्रोटीन: जब आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तब उस वजह से भी पैरों में सूजन की समस्या बढ़ जाती है।

प्रोटीन के लिए आप रोजाना दूध, दही, पनीर स्प्राउट्स और दाल का सेवन करें।

साथ ही चीनी और नमक का सेवन बंद करें। आधे घंटे वॉक करें। इससे सूजन की समस्या कंट्रोल हो सकती है।

क्या रोजाना पिस्ता का सेवन करना है सेहत के लिए फायदेमंद?

पिस्ता (pistachios) सिर्फ खाने में ही स्वादिष्ट नहीं लगते बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इसमें हेल्दी फैट्स, प्रोटीन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट के अलावा विटामिन बी6 और पोटैशियम सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं। इस ड्राईफ्रूट में दूसरे नट्स की तुलना में कैलोरी कम और प्रोटीन ज़्यादा होती है जो वजन कम करने में मदद करता है साथ ही दिल की सेहत का भी ख्याल रखते हैं। कुल मिलाकर यह ड्राईफ्रूट विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर है जो आपको सेहत से जुड़े कई समस्याओं से बचाता है। तो, चलिए जानते हैं पिस्ता के सेवन (pista khane ke fayde in hindi) से आपको क्या फायदे होंगे।।क्या इसे रोज़ खाना चाहिए और एक दिन में कितना खाएं?

हृदय स्वास्थ्य करे बेहतर: पिस्ता में मैग्नीशियम और पोटैशियम होता है, जो दिल की सेहत को बेहतर बनाने में मदद करता है।

वजन करे कम: पिस्ता में फाइबर और प्रोटीन होता है, जो वजन को नियंत्रित करने में मदद करता है।

मानसिक स्वास्थ्य करे बेहतर : पिस्ता में मौजूद विटामिन बी6 और मैग्नीशियम मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

डायबिटीज में फायदेमंद: पिस्ता का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में सहायक हो सकता है।

पाचन करे बेहतर: पिस्ता में फाइबर होता है, जो आपके पाचन स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में बेहद लाभकारी है।

आँखों की रौशनी बढ़ाए: पिस्ता में ल्यूटिन और ज़ेक्सैंथिन भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आँखों के स्वास्थ्य को बेहतर करते हैं।

लेकिन लोगों को बिना नमक वाले पिस्ता का सेवन करना चाहिए और एक दिन में लगभग एक मुट्ठी पिस्ता खाना फायदेमंद हो सकता है।

हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं है दूध, डॉक्टर से जानें किन कंडीशन में करें परहेज?

भारतीय घरों में दूध सिर्फ ड्रिंक तक सीमित नहीं है प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर यह ड्रिंक हमारे कल्चर का हिस्सा भी है। लेकिन क्या आप जानते हैं दूध हर किसी के लिए लाभकारी नहीं हो सकता। गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर शुभम वात्स्य अपने यू ट्यूब पेज पर वीडियो शेयर करते हुए बताया है कि दरअसल, परेशानी दूध के पोषक तत्वों में नहीं है दिक्कत तब होती है जब हमारा शरीर उसे पचा नहीं पाता है।

तो चलिए डॉक्टर से जानते हैं दूध में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं और किन कंडीशन में आपको इसका सेवन नहीं करना है?

दूध में प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्निशयम, बिटामिन बी 12, जैसे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं। एक कप दूध में आपको सात से आठ ग्राम प्रोटीन और 275 ग्राम कैल्शियम मिल सकते है।

दूध में मौजूद फास्फोरस कैल्शियम के साथ मिलकर हड्डियों को मजबूत बनाता है। वहीं इसमें मौजूद विटामिन बी 12 शाकाहरी लोगों के लिए फायदेमंद है।

यानी यह पोषक तत्वों से भरपूर है लेकिन अगर आपका पेट इसे पचा नहीं पा रहा है तो इसका सेवन आपके लिए नुकसानदायक है।

यानी दूध पोषक तत्वों से भरपूर होने के बाद हर बॉडी के लिए फायदेमंद नहीं हो सकता।

लैक्टोज इन्टॉलरेंस: मिल्क में लैक्टोज इन्टॉलरेंस नामक नेचुरल शुगर होता है। जब, आपका शरीर इसे नहीं पचा पता है तब इस वजह से पाचन संबंधी समस्याएं जैसे गैस, ब्लोटिंग, लूज़ मोशन जैसी समस्याएं होने लगती है।

एलर्जी: एलर्जी इम्यून सिस्टम कमजोर होने की वजह से होता है। दरअसल, दूध का मुख्य प्रोटीन केसिन और व्हे होते हैं। कुछ लोगों में इम्यून सिस्टम केसिन और व्हे को खतरनाक समझता है जिससे एलर्जी की समस्या जैसे त्वचा पर चकत्ते, सूजन, पेट दर्द, या उल्टी होने लगती है।

एसिडिटी और रिफ्लक्स: फूल क्रीम मिल्क कुछ लोगों में पेट से जुड़ी समस्याओं को ट्रिगर कर सकता है। इस वजह से हेविनेस, बर्पिंग, एसिडिटी और रिफ्लक्स जैसी परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए, अगर आपको इस तरह की परेशानी है तो रात में दूध का सेवन करने से बचें।

एक्ने की समस्या होने पर: हर एक्ने की परेशानी मिल्क की वजह से नहीं होती है लेकिन कुछ लोगों में डेरी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने पर एक्ने तेजी से आते हैं तो इसका ध्यान रखें।

वजन घटाने से लेकर हड्डियों को मजबूत बनाने तक, करौंदा से मिल सकते हैं ये 5 कमाल के फायदे

छोटे-छोटे, खट्टे-मीठे करौंदे न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि ये सेहत का खजाना भी हैं। आयुर्वेद में करौंदे को एक बेहतरीन औषधि माना गया है। विटामिन सी, विटामिन ई, आयरन, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर करौंदा हमारी बॉडी को कई गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसके सेवन से वजन घटाने में मदद मिलती है और साथ ही हड्डियां भी मजबूत होती है। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि करौंदा खाने से आपको क्या क्या 5 फायदे मिलते हैं। चलिए जानते हैं करौंदा खाने से क्या क्या फायदे हो सकते हैं। अगर आप बढ़ते वजन से परेशान हैं और इसे कंट्रोल करना चाहते हैं, तो करौंदा आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है। इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है और फाइबर भरपूर होता है। फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे असमय लगने वाली भूख शांत होती है। इसके अलावा, यह मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है, जो फैट बर्न करने की प्रक्रिया को तेज करता है। उम्र बढ़ने के साथ अक्सर हड्डियों में कमजोरी या जोड़ों के दर्द की समस्या होने लगती है। करौंदे में कैल्शियम और फास्फोरस अच्छी मात्रा में पाया जाता है। कैल्शियम हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूती देने का काम करता है। नियमित रूप से करौंदे का सेवन करने से ऑस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है। करौंदा विटामिन सी का एक बेहतरीन सोर्स है। विटामिन सी हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को मजबूत करता है। मजबूत इम्यूनिटी हमें मौसमी बीमारियों जैसे- सर्दी, खांसी, जुकाम और वायरल इन्फेक्शन से बचाती है। इसके साथ ही, इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर के सेल्स को डैमेज होने से रोकते हैं। आजकल की बिगड़ती लाइफस्टाइल में दिल का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। करौंदा शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद करता है। यह ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल में रखता है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी दिल की बीमारियों का खतरा काफी हद तक टल जाता है। करौंदे में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। यह पेट की समस्याओं जैसे- कब्ज , गैस और एसिडिटी से राहत दिलाता है।

अच्छी सेहत के लिए आपको कितने घंटे काम करना चाहिए? डॉक्टर ने बताए हेल्दी वर्किंग आवर्स

आज के समय में लोग करियर को प्राथमिकता देते हुए अक्सर लंबे समय तक काम करते हैं। लंबे समय तक काम करने से सफलता तो मिल सकती है लेकिन इसकी कीमत आपकी सेहत को चुकानी पड़ सकती है। एनवायरनमेंट इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) के संयुक्त अध्ययन में इस बात को लेकर चेतावनी दी गई है। न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर कुमार ने 15 जुलाई को X पर अपनी पोस्ट में बताया है कि रिसर्च वर्किंग आवर्स के बारे में क्या कहती है और काम और निजी ज़िंदगी के बीच बेहतर संतुलन कैसे बनाया जाए? एनवायरनमेंट इंटरनेशनल जर्नल की स्टडी में वर्ष 2000 से 2016 के बीच 194 देशों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं ने उन लोगों के स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया जो सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करते हैं। उनकी तुलना उन लोगों से की गई जो 35 से 40 घंटे प्रति सप्ताह काम करते हैं। रिसर्च बताती है कि सेहत के लिए सबसे अच्छा दायरा हफ़्ते में लगभग 35-40 घंटे काम करना है। इससे ज़्यादा काम करने पर सेहत से जुड़े जोखिम बढ़ने लगते हैं, और हफ़्ते में 55 घंटे या उससे ज़्यादा काम करने का सीधा संबंध दिल की बीमारियों (कार्डियोवैस्कुलर रिस्क) के काफ़ी ज़्यादा जोखिम से है। स्टडी के अनुसार, सप्ताह में 55 घंटे या उससे अधिक काम करने वाले लोगों में इस्केमिक हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का खतरा अधिक पाया गया। बीमारियों की लिस्ट सिर्फ हार्ट डिजीज और स्ट्रोक तक ही समिति नहीं है। जब संभव हो, तो हफ़्ते में 35-40 घंटे काम करने का लक्ष्य रखें।

डेंगू में प्लेटलेट्स बढ़ाने के कौन से फल खाने चाहिए, ये 5 फल तेजी से रिकवरी में करेंगे मदद

डेंगू बुखार काफी खतरनाक माना जाता है। डेंगू होने पर शरीर में प्लेटलेट्स कम होने लगते हैं, जिससे कमजोरी आने लगती है। लगातार बुखार, सिर में दर्द और उल्टी जैसा जी करता है। जिससे पूरे शरीर की हालत खराब होने लगती है। डेंगू में तेजी से रिकवरी करने के लिए डाइट का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। खाने में विटामिन सी से भरपूर फल शामिल करें। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। शरीर को हाइड्रेट रखें। इससे डेंगू में तेजी से रिकवरी करने में मदद मिलेगी और गितरे प्लेटलेट्स भी बढ़ने लगेंगे। जानिए डेंगू के मरीज को कौन से फल खाने चाहिए?

कीवी- डेंगू के मरीज को खाने की सलाह दी जाती है। कीवी में विटामिन सी पाया जाता है। जो शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा कई दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो डेंगू के मरीजों के लिए रामबाण साबित होते हैं। कीवी में फाइबर काफी होता है जिससे इसे पचाना आसान होता है। कीवी प्लेटलेट्स को बढ़ाने में भी मदद करता है।

अनार- डेंगू के मरीज अनार खा सकते हैं। अनार में एंटऑक्सीडेंट पाए जाते हैं जो आपको कई समस्याओं से बचाते हैं। अनार विटामिन-सी का भी सोर्स है। अनार खाने से शरीर में रेड ब्लड सेल्स बढ़ते हैं।

जीनवेदा : आपकी सेहत और आने वाली पीढ़ियों को बीमारियों से बचाने की वैज्ञानिक मुहिम

जब भी लोग 'जेनेटिक्स' (आनुवंशिकी) शब्द सुनते हैं, तो अक्सर इसे एक जटिल वैज्ञानिक विषय मानकर छोड़ देते हैं। आम धारणा यह है कि यह केवल डॉक्टरों, शोधकर्ताओं या लैब तक सीमित है। लेकिन वास्तव में, जेनेटिक्स हम सभी के दैनिक स्वास्थ्य, जीवन की गुणवत्ता और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा से गहराई से जुड़ा हुआ है। इसी आधुनिक विज्ञान को आम परिवारों के लिए सरल, सुलभ और जीवन बदलने वाला माध्यम बनाने के उद्देश्य से जयपुर में 'जीनवेदा' की शुरुआत की गई है। जीनवेदा की संस्थापक डॉ. अदिति माथुर (पीएचडी, जेनेटिक्स) का हमेशा से मानना रहा है कि वैज्ञानिक ज्ञान का असली उद्देश्य समाज पर एक सकारात्मक और स्थायी प्रभाव छोड़ना होना चाहिए। जीवन के विज्ञान के प्रति इसी जिज्ञासा के कारण उन्होंने जयपुर से स्कॉटलैंड तक का सफर तय किया। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो से मेडिकल जेनेटिक्स में एमएससी और यूनिवर्सिटी ऑफ एबरडीन से जेनेटिक्स में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। विदेश में अपने शोध और प्रशिक्षण के दौरान डॉ. अदिति ने देखा कि कैसे जेनेटिक्स दुनिया भर में स्वास्थ्य सेवाओं का कायाकल्प कर रही है। इसी आधुनिक और उन्नत वैज्ञानिक प्रगति का लाभ अपने गृह राज्य राजस्थान के परिवारों को देने के सपने के साथ वे वापस लौटीं और जीनवेदा के रूप में एक ऐसे केंद्र की स्थापना की, जहाँ एक ही स्थान पर विश्वसनीय जेनेटिक परीक्षण और संवेदनशील जेनेटिक काउंसेलिंग उपलब्ध हो सके। दुर्भाग्यवश, समाज में आज भी जेनेटिक्स को लेकर जागरूकता की कमी है।

क्या फिश ऑयल कैप्सूल अल्जाइमर से बचा सकते हैं? नए अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

बहुत से लोग दिमाग को तेज रखने और याददाश्त बेहतर करने के लिए फिश ऑयल कैप्सूल लेते हैं। इसकी वजह है इसमें मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड, खासकर डीएचए जिसे दिमाग की सेहत के लिए जरूरी माना जाता है। कई लोगों को उम्मीद होती है कि ये सप्लीमेंट भविष्य में अल्जाइमर जैसी बीमारी के खतरे को कम कर सकते हैं। हालांकि एक नई स्टडी ने इसको लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ। अमेरिका की केक मेडिसिन ऑफ यूएससी की रिसर्च में पाया गया कि फिश ऑयल सप्लीमेंट लेने से अल्जाइमर बीमारी से बचाव में कोई खास फायदा नहीं मिला। हालांकि, स्टडी में यह जरूर सामने आया कि फिश ऑयल में मौजूद डीएचए दिमाग तक पहुंचा, लेकिन इससे याददाश्त या सोचने-समझने की क्षमता में कोई बड़ा सुधार नहीं दिखा। यह रिसर्च ईबायोमेडिसिन जर्नल में प्रकाशित हुई है। इस रिसर्च में 55 से 80 साल की उम्र के 365 लोगों को शामिल किया गया। ये सभी लोग बहुत कम मछली खाते थे और उनमें अल्जाइमर का खतरा ज्यादा माना जा रहा था। इनमें से करीब आधे लोगों में एपीओई4 जीन भी था, जो अल्जाइमर बीमारी के बढ़ते जोखिम से जुड़ा माना जाता है। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को दो समूहों में बांटा।

आप भी हैं हद से ज़्यादा मोटे तो जम्पिंग एक्सरसाइज़ हो सकती है खतरनाक

इन दिनों मोटापा और ओबेसिटी का शिकार लोग तेजी से हो रहे हैं। अगर एक बार आपका वजन बढ़ जाए तो कम होने का नाम ही नहीं लेता। ऐसे में मोटापा को कम करने के लिए लोग जिम की तरफ भागते हैं। लेकिन अगर वजन बहुत ज़्यादा है तो जिम में कुछ एक्सरसाइज़ करना आपकी बॉडी के लिए भारी पड़ सकता है। जैसे- मोटापा ज़्यादा होने पर जंपिंग एक्सरसाइज़, स्क्वाट्स या फिर बर्पीज़ करने से घुटने से जुड़ी कई दिक्कते हो सकती हैं और चोट लग सकती हैं।

बॉक्स स्क्वाट: डीप स्क्वाट की जगह आप बॉक्स स्क्वाट (Box squat) करें। अगर वजन ज़्यादा है तो नॉर्मल स्क्वाट करने से पैरों में मोच आ सकती है। ऐसे में इससे बचने के लिए बॉक्स स्क्वाट करें। बॉक्स स्क्वाट में अपने कूल्हे के पीछे एक बड़ा सा बॉक्स रखें और झुकने पर अपने कूल्हे बॉक्स पर रखें। इससे वर्कऑउट भी होगा और किसी तरह का चोट भी नहीं लगेगा।

डंबल स्विंग: अपनी डेली रूटीन में आप सूमो स्कवॉट की जगह (Sumo squat) डंबल स्विंग करें।

इसे करने से आपके हाथों में या कमर के आसपास किसी तरह का कोई क्रैम्प नहीं आएगा। डंबल स्विंग को करने के लिए अपने हाथों में 2 वेट वाले डंबल लें। इससे आपके हाथों का एक्स्ट्रा फैट भी लॉस होगा और आपको कोई इंजरी भी नहीं होगी।

खाने के बाद टहलना पेट के लिए माना गया है सबसे अच्छा, गैस, पेट फूलने और आंतों के लिए है फायदेमंद

रोजाना वॉक करने से शरीर स्वस्थ रहता है, वजन कम होता है और आप कहीं ज्यादा एक्टिव महसूस करते हैं। लेकिन खाना खाने के बाद की गई वॉक पेट और आंतों के लिए बहुत अच्छी मानी जाती है। गट हेल्थ में सुधार के लिए कुछ लोग महंगे सप्लीमेंट्स, डिटॉक्स ड्रिंक्स और कॉम्प्लेक्स लाइफस्टाइल को अपनाते हैं, जिसे लंबे समय तक चला पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने एक ऐसी आदत के बारे में बताया है जो आपकी गट हेल्थ में तेजी से सुधार लाती है। ये आदत है रात में खाना खाने के बाद कुछ देर टहलना। डॉक्टर सौरभ सेठी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो हर दिन शाम के भोजन के बाद टहलना जरूरी मानते हैं। आपकी ये छोटी सी आदत पाचन, ब्लड शुगर के स्तर और पूरे स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती है। डॉक्टर सेठी के अनुसार, रात के खाने के बाद टहलने का एक सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे पाचन क्रिया तेज होती है। आसान भाषा में कहें तो, टहलने से पाचन तंत्र की मांसपेशियां उत्तेजित होती हैं, जिससे खाना पेट और आंतों से अधिक कुशलता से गुजरता है। नतीजा लोगों को कम सूजन, कम एसिड रिफ्लक्स और कम कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई लोगों को भारी भोजन करने के बाद असहजता महसूस होती है, लेकिन हल्की-फुल्की वॉक भी पाचन तंत्र को अपना काम अधिक प्रभावी ढंग से करने में मदद कर सकती है। डॉक्टर सेठी बताते हैं कि आंतों की गतिशीलता का यह प्राकृतिक उत्तेजना ही एक कारण है कि खाने के बाद की सैर पाचन क्रिया में इतना आराम दे सकती है।

आपकी ये एक आसान सी आदत शुगर स्पाइक को कम करती है। रात के खाने के बाद टहलने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल अचानक से नहीं बढ़ता है। खाने के बाद केवल 10 मिनट की वॉक भी रक्त शर्करा के स्तर में होने वाली उस अचानक बढ़ोत्तरी को काफी हद तक कम कर सकती है जो आमतौर पर खाने के बाद होती है। चलते समय जब मांसपेशियां सक्रिय होती हैं, तो वो ऊर्जा के लिए ग्लूकोज का उपयोग करती हैं, जिससे शरीर में शुगर का अच्छी तरह से इस्तेमाल होता है। ये आदत उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो हेल्दी ब्लड शुगर के स्तर को बनाए रखने या अपने पूरे चयापचय स्वास्थ्य में सुधार करने की कोशिश कर रहे हैं। खाने के तुरंत बाद बैठने के बजाय, थोड़ी देर टहलने से बहुत अच्छे नतीजे मिलते हैं। खाने के बाद टहलना सबसे कम महत्व दी जाने वाली स्वास्थ्य आदतों में से एक है। जहां कई लोग बेहतर पाचन के लिए डिटॉक्स जूस, क्लींजिंग और वेलनेस प्रोग्राम पर पैसा खर्च करते हैं, वहीं रात के खाने के बाद थोड़ी देर टहलना पूरी तरह से फ्री है और ये गट के लिए इन सबसे ज्यादा असरदार है।

पुरी जगन्नाथ रथ यात्रा में भगदड़, दम घुटने से 1 श्रद्धालु की मौत, कई लोगों के घायल होने की आशंका

ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान एक दुखद घटना घटी। जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के चलते भगदड़ मच गई। एक श्रद्धालु की दम घुटने से मौत हो गई। कई अन्य लोगों के घायल होने की आशंका है। रथ यात्रा के दौरान बड़े दंड को खींचते हुए कुछ लोग इंतजार कर रहे थे। तभी एक श्रद्धालु दम घुटने से बेहोश हो गया। उसे तुरंत पुरी जिला मुख्यालय अस्पताल (DHH) ले जाया गया। वहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कई घायलों का इलाज किया जा रहा है। भारी भीड़ के कारण रथ यात्रा के दौरान भारी जाम लग गया, जिससे श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई क्योंकि ग्रैंड रोड पर कई जगहों पर आवागमन रुक गया था। विशेष बचाव इकाई (SRU) ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बचाव अभियान चलाया और भीड़भाड़ वाले इलाके से श्रद्धालुओं को निकाला। श्रद्धालुओं को अस्थायी मेडिकल शिविरों में प्राथमिक इलाज दिया गया, जबकि जिन्हें अतिरिक्त इलाज की आवश्यकता थी, उन्हें पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इस घटना के बाद अधिकारियों ने आगे की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ग्रैंड रोड पर भीड़ प्रबंधन उपायों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रयासों को तेज कर दिया। घटना के बाद भीड़ को नियंत्रित करने और जाम कम करने के लिए सुरक्षाकर्मी, स्वयंसेवक और आपातकालीन प्रतिक्रिया दल तैनात किए गए। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं और आपातकालीन वाहनों की आवाजाही को सुगम बनाने के लिए अतिरिक्त मार्ग भी बनाए हैं। पुलिस की टीम ने बताया कि भगदड़ में जिस श्रद्धालु की मौत हुई है, उसकी पहचान अनिल दास के रूप में हुई है। इस बार भी जगन्नाथ रथ यात्रा में देशभर से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई, भारी बारिश के बावजूद आज पुरी में लाखों लोग एकत्रित हुए। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी और आपातकालीन दल स्थिति का जायजा ले रहे हैं। अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, यह घटना उस समय घटी

जब हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की सालाना यात्रा के साक्षी बनने के लिए गुंडिचा मंदिर की ओर एकत्रित हुए थे। इससे पहले पिछले साल 2025 में भी वार्षिक रथ यात्रा के दौरान श्री गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ मचने से कम से कम 3 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। 50 से अधिक लोग घायल हो गए थे। घटना के बाद जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य तेज करते हुए प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल, आपदा प्रबंधन दल और स्वयंसेवकों को संवेदनशील स्थानों पर तैनात किया गया है। साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न मार्गों पर बैरिकेडिंग और चरणबद्ध प्रवेश व्यवस्था लागू की गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से रथ यात्रा मार्ग पर स्थापित अस्थायी चिकित्सा शिविरों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया। एम्बुलेंस सेवाओं को लगातार सक्रिय रखा गया ताकि किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। फिलहाल पुरी में रथ यात्रा निर्धारित धार्मिक परंपराओं के अनुसार जारी है, जबकि प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरे आयोजन पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

UP-बिहार-झारखंड समेत इन राज्यों में बारिश का अलर्ट, पढ़ें आज का मौसम अपडेट्स

बंगाल की खाड़ी और उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर बने लो प्रेशर एरिया के कारण मानसून एक बार फिर रफ्तार पकड़ चुका है।

इसके प्रभाव से मौसम विभाग ने देश के 22 राज्यों में हल्की से लेकर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 40 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। अगले 7 दिनों तक पूर्वी, पूर्वोत्तर भारत, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्रों में बारिश की गतिविधियां तेज होंगी। बारिश के साथ-साथ देश के कई हिस्सों में 40 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली चमकने की आशंका है। यह लो प्रेशर एरिया अगले दो दिनों में और मजबूत होकर उत्तर ओडिशा और पश्चिम बंगाल के मैदानी इलाकों की तरफ बढ़ेगा। दिल्ली में आज आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन उमस भरी गर्मी परेशान करेगी। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है, जिसके चलते मौसम विभाग ने यहां 'येलो अलर्ट' जारी किया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर में 19 से 21 जुलाई के बीच भारी बारिश और तेज हवाएं चलने के आसार हैं।

युवती को प्रेमी से ब्रेकअप करना पड़ गया भारी, चाकू से बेरहमी से वार कर के हत्या, पढ़ें खौफनाक मामला

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से अपराध की चौंका देने वाली वारदात सामने आई है। बेंगलुरु में एक युवती पर प्रेमी से ब्रेकअप करने के बाद जानलेवा हमला किया गया। जानकारी के अनुसार, अमृता पर 13 जुलाई को चाकू से बेरहमी से हमला किया गया था। इसके बाद से वह अस्पताल में मौत से जंग लड़ रही थी। अब 15 जुलाई को अमृता ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। बेंगलुरु पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए हमलावर सूर्या और उसके भाई धनुष को अरेस्ट कर लिया है। इस घटना को लेकर पुलिस की अब तक की जांच में कई खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, जीवन बीमा नगर में रहने वाली अमृता और विल्सन गार्डन में रहने वाला धनुष दोनों के पारिवारिक सम्बंध थे। तीन साल पहले दोनों परिवार एक धार्मिक कार्यक्रम में मिले थे जिसके बाद अमृता और धनुष में दोस्ती हो गई।उनकी दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई।

हालांकि, इस साल मार्च में अमृता ने धनुष से ब्रेक अप कर लिया जिसके बाद दोनों परिवारों के बीच झगड़ा शुरू हो गया। ब्रेकअप के बाद धनुष और उसका भाई अमृता को सबक सिखाने की प्लानिंग करने लगे। धनुष और उसके भाई सूर्या ने अमृता के भाई तेजस को भी फोन किया और उसे धमकी दी कि उसकी जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने वाली अमृता को वो सबक सिखाएंगे। इसके बाद 13 जुलाई को धनुष के कहने पर उसका भाई सूर्या अमृता के घर गया और उसकी मां से बहस करने के बाद अचानक से चाकू निकालकर उसने अमृता पर हमला कर दिया।

इस घटना ने पूरे इलाके में भय का माहौल बना दिया है। आपको बता दें कि इससे पहले कर्नाटक के धारवाड़ जिले में एक 45 साल के एनेस्थिसियोलॉजिस्ट की उनके अपार्टमेंट में हत्या कर दी गई। जबकि उनका आठ साल का बेटा चाकू लगने से घायल हालत में मिला। चाकू से हमले के कारण अमृता घायल हो गई जिसके बाद पड़ोस के लोगों की मदद से अमृता को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।

तमिलनाडु में प्रसिद्ध मंदिर के जमीन की करवा दी फर्जी रजिस्ट्री, CM विजय की सरकार ने दो अधिकारियों को सस्पेंड किया

तमिलनाडु के प्रसिद्ध पलनी दंडायुधस्वामी मंदिर की जमीन की फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करवाने का एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है, तीन निजी लोगों ने मिलकर पहाड़ी की तलहटी पर मौजूद 1.4 एकड़ जमीन की रजिस्ट्री करवा ली, इस अपराध का पता चलते ही C विजय जोसेफ के नेतृत्व वाली TVK सरकार हरकत में आई, डिंडीगुल जिला रजिस्ट्रार ससिकला और कागजात की रजिस्ट्री करवाने वाले पलनी सब रजिस्ट्रार जस्टिन मणीगंडन को सस्पेंड कर दिया गया है।

मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै बैंच बुधवार को रजिस्ट्रेशन विभाग की ओर से 13 जुलाई को पुलिस में दर्ज FIR का संज्ञान लेते हुए इस रजिस्ट्री को रद्द करने का आदेश दे दिया है।

साथ ही राज्य के DGP महेश कुमार अग्रवाल ने बुधवार को पलनी मंदिर की जमीन से जुड़ी अनियमितताओं के मामले को क्राइम ब्रांच-CID को सौंपने का आदेश दिया है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की बात सामने आने के बाद कई धार्मिक स्थानों की गड़बड़ियां उजागर हुई हैं।

जानकारों के अनुसार, इस जमीन को मंदिर प्रबंधन की ओर से फ्री पार्किंग के लिए इस्तेमाल किया जाता है। दस्तावेजों के हिसाब से करीब 100 साल पहले ये जमीन दंडायुधस्वामी स्वामी मठ के नाम कर दी गई थी। इस खबर के सामने आने के बाद बवाल मच गया।

भारत का एयरपोर्ट देखकर मंत्रमुग्ध हुए इजरायली राजदूत, तारीफ में लिख दी बहुत बड़ी बात

भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने उम्मीद जताई है कि भारतीय कंपनियां जल्द ही इजरायल में भी एयरपोर्ट निर्माण का काम करेंगी।

उनका यह बयान उस समय आया है, जब भारत के 2 एयरपोर्ट प्रिक्स वर्साय (Prix Versailles) द्वारा जारी 'दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट 2026' की सूची में शामिल किए गए हैं। रूवेन अजार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर भारत के इजरायल स्थित दूतावास की एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'उम्मीद है कि जल्द ही भारतीय कंपनियां इजरायल में भी एक एयरपोर्ट का निर्माण करेंगी।' इससे पहले इजरायल में भारतीय दूतावास ने अपनी पोस्ट में बताया था कि गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को 'दुनिया के सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट 2026' की सूची में स्थान मिला है। भारतीय दूतावास ने कहा, 'भारत अब केवल एयरपोर्ट नहीं बना रहा, बल्कि वैश्विक पहचान वाले आधुनिक स्मारक तैयार कर रहा है।'

दूतावास ने दोनों भारतीय एयरपोर्ट्स के चयन पर गर्व जताते हुए इसे देश की बड़ी उपलब्धि बताया। उसने आगे कहा कि यह सम्मान भारत में तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास का प्रमाण है। दूतावास के मुताबिक, भारत ऐसे विश्वस्तरीय प्रवेश द्वार तैयार कर रहा है, जो आधुनिक डिजाइन, पर्यावरणीय संतुलन और स्थानीय सांस्कृतिक विरासत का बेहतरीन मेल हैं।

साथ ही ये हर साल लाखों यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव भी उपलब्ध करा रहे हैं।

भारतीय दूतावास ने आर्किटेक्चरल डाइजेस्ट पत्रिका का लेख भी साझा किया, जिसका शीर्षक था, 'दुनिया के 7 सबसे खूबसूरत एयरपोर्ट, जिनमें भारत के 2 एयरपोर्ट भी शामिल।' पत्रिका ने लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 को लिस्ट में तीसरा स्थान दिया है।

'परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस', मानसून सत्र से पहले संसदीय दल की बैठक में चर्चा के बाद किया ऐलान

मानसून सत्र से पहले ही कांग्रेस पार्टी ने घोषणा कर दी है कि वह संसद सत्र में परिसीमन बिल का विरोध करेगी।

आगामी सोमवार से संसद का मानसून सत्र शुरू होने वाला है। संसद सत्र में इस बार एक नहीं बल्कि 3-3 संविधान संशोधन बिल पेश हो सकते हैं। सरकार, इस बार पूरी तैयारी के साथ संविधान संशोधन बिल को पेश कर सकती है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी भी अपनी रणनीति बनाने में जुटी है। दिल्ली में आज (गुरुवार को) कांग्रेस संसदीय दल की बड़ी बैठक हुई, जिसके बाद ऐलान किया गया कि कांग्रेस पार्टी, परिसीमन बिल का विरोध करेगी। ये बैठक सोनिया गांधी के नेतृत्व में 10 जनपथ पर हुई, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई दिग्गज मौजूद रहे। कांग्रेस की संसदीय दल की बैठक के बाद जयराम नरेश ने कहा, 'हमें पता चला है कि परिसीमन बिल लाया जाएगा, ऐसी खबर है। कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करेगी। हम समान विचारधारा वाली दूसरी पार्टियों के साथ एकजुट होकर खड़े रहेंगे। सोनिया गांधी ने आज हमारी संसदीय रणनीति के लिए बैठक की अध्यक्षता की। इस बार कौन-कौन से बिल लाए जाएंगे, इस बारे में हमारे पास कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है। उम्मीद है कि रविवार को सर्वदलीय बैठक में हमें इसके बारे में पता चल जाएगा, लेकिन सरकार की तरफ से यह सिर्फ एक औपचारिकता होगी।' जयराम रमेश ने आगे कहा,'सर्वदलीय बैठक सिर्फ एक औपचारिकता होती है। इसमें 35 नेता बोलते हैं, 4 लोग सुनते हैं और सिर्फ 2 लोग फैसला करते हैं और उसे जबरदस्ती लागू करवा देते हैं। हम उम्मीद कर रहे हैं कि सरकार परिसीमन बिल लाने की कोशिश करेगी, क्योंकि 17 अप्रैल को 131वें संविधान संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान सरकार हार गई थी। हम इसका विरोध करेंगे और सभी विपक्षी दलों की एकता बनाए रखने की कोशिश करेंगे।' कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ये कहा कि JPC में विपक्ष ने जिस बिल का बहिष्कार किया था- जिसमें सांसदों, विधायकों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री का कार्यकाल खत्म करने का प्रावधान था- हम उसका भी विरोध करेंगे। 'एक देश, एक चुनाव' पर भी चर्चा हुई। FCRA बिल का भी विरोध किया जाएगा। एक अहम बिल जिस पर चर्चा हुई, वह 2013 का खाद्य सुरक्षा कानून था, जिसके आधार पर PM अन्न योजना बनाई गई थी।

छात्रों को मिला था कलमा याद करने का होमवर्क, भड़के केंद्रीय मंत्री बंडी संजय ने दिया बड़ा बयान

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के सईदाबाद स्थित एक स्कूल में दूसरी कक्षा के छात्रों को कथित तौर पर कलमा और सूरह फातिहा याद करने का होमवर्क दिए जाने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने गुरुवार को स्कूल मैनेजमेंट पर तीखा हमला बोलते हुए इसे 'हिंदू संस्कृति पर जबरन हमला' बताया। उन्होंने इस घटना को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि स्कूल मैनेजमेंट के खिलाफ तुरंत और कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उनका कहना था कि यदि इस मामले को नजरअंदाज किया गया तो तेलंगाना के अन्य हिस्सों में भी इस तरह की घटनाएं बढ़ सकती हैं। बंडी संजय ने स्थानीय प्रशासन और पुलिस पर भी दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने ऑटो चालक भरत का मामला उठाते हुए कहा कि पुलिस और AIMIM के नेताओं ने कथित तौर पर उसके ऑटो पर लिखे एक संदेश को लेकर उसे परेशान किया।

उन्होंने इस मामले में संबंधित पुलिसकर्मियों और मजलिस नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यदि राज्य में बीजेपी की सरकार बनती है तो हिंदू परंपराओं और संस्कृति की रक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी।

सोनम वांगचुक के हेल्थ चेकअप पर दिल्ली HC का आदेश, सरकारी डॉक्टर करें नियमित जांच

दिल्ली हाई कोर्ट ने भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की सुरक्षा और सेहत को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई की। वांगचुक पिछले 19 दिनों से जंतर मंतर पर भूख हड़ताल पर बैठे हैं। याचिका में कहा गया है कि भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक की सुरक्षा और स्वास्थ्य का पूरा ध्यान रखा जाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए टिप्पणी की, "जिंदगी बहुत कीमती है।" सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि इस मामले में नोटिस जारी किया जा चुका है।

उन्होंने अदालत को आश्वस्त किया कि वांगचुक के स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है। जब भी उन्होंने अनुमति दी, सरकारी डॉक्टर उनके पास गए हैं। इसके अलावा, निजी डॉक्टरों ने भी उनकी जांच की है। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि सरकारी डॉक्टर नियमित रूप से सोनम वांगचुक की मेडिकल जांच करें। अगर डॉक्टरों की रिपोर्ट में किसी तरह की जरूरत सामने आती है, तो तुरंत जरूरी कदम उठाए जाएं। अदालत ने कहा, "जिंदगी बहुत कीमती है।" इस पर सॉलिसिटर जनरल ने भी कहा कि हर नागरिक की जिंदगी कीमती है। यह आदेश बुधवार को दायर की गई उस याचिका (PIL) के बाद आया है, जिसमें चेतावनी दी गई थी कि यदि 59 वर्षीय वांगचुक अपना अनशन नहीं तोड़ते हैं, तो वे शायद अगले 48 घंटे भी जीवित न रह सकें।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415